छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही,मंगलवार 24 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-144 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज ब्रीफ

आपदा प्रबंधन के लिए अलग विभाग गठित करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड, 525 हाइड्रो-मौसमी सेंसर स्थापित



नई दिल्ली। आपदा प्रबंधन में उत्तराखंड ने नए मानक स्थापित किए हैं। सीएम धामी का कहना है आपदा जोखिम न्यूनीकरण, पूर्व चेतावनी और राहत-बचाव तंत्र को नई मजबूती मिली है। 525 हाइड्रो-मौसमी सेंसर स्थापित हुए हैं।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सक्षम, आधुनिक, तकनीक आधारित और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

64 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में IAS शिखर अग्रवाल पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, गिरफ्तारी पर रोक की मांग



नई दिल्ली। एक कंपनी से 64 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में APO चल रहे राजस्थान कैडर के IAS अधिकारी शिखर अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने याचिका दायर कर अपने खिलाफ चल रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जांच, गिरफ्तारी और किसी भी तरह की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है। हालांकि इसी सप्ताह सुनवाई की संभावना है। इससे पहले शिखर अग्रवाल ने ष्टक्कजांच के खिलाफ हाईकोर्ट याचिका दायर की थी, लेकिन कोई राहत नहीं मिली थी। अब उन्होंने शीर्ष अदालत का रूख किया है। राजस्थान सरकार ने दौरान राज्य का पक्ष भी सुना जाएगा।

आपदा प्रबंधन के लिए अलग विभाग गठित करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड, 525 हाइड्रो-मौसमी सेंसर स्थापित

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने आपदा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक सक्षम, आधुनिक, तकनीक आधारित और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। आपदा संभावित राज्य होने के कारण सरकार द्वारा पूर्व चेतावनी प्रणाली, त्वरित राहत एवं बचाव कार्य, आधुनिक संचार व्यवस्था, वैज्ञानिक जोखिम आकलन तथा जनभागीदारी को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर प्रत्येक वर्ष 28 नवंबर को राज्य में आपदा प्रबंधन दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

राहुल कुछ ताकतों के इशारे पर खेल रहे हैंज रविशंकर प्रसाद ने बोला हमला



नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने लोवी इंस्टीट्यूट एशिया पावर इंडेक्स में भारत की बढ़ती ताकत पर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इस दौरान प्रसाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और राहुल गांधी पर हमला बोला। रविशंक प्रसाद ने कहा कि लोवी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में एशिया पावर इंडेक्स 2026 ने 27 कंट्रीज का एक्रॉस एशिया 131 कंप्रिहेंसिव मानकों को आधार बनकर इसने भारत की रैंकिंग बढ़ाई है।उन्होंने कहा कि भारत को एशिया में शक्तिशाली देशों में 3 रैंक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया का दूसरा प्रभावशाली नेता करार दिया है। शी जिनपिंग के बाद दूसरे प्रभावशाली नेता पीएम मोदी को बताया है। कुंभकर्ण बनने के लिए फैसल मलिक को क्यों भूलनी पड़ी एक्टिंग?

आतंकवाद के खिलाफ भारत-श्रीलंका की साझा तैयारी, 26 नवंबर तक चलेगा 'मित्र शक्ति-2026' अभ्यास



नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका की सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति-2026 जारी है। इसमें भारत के 170 जवान आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन, शहरी गश्त और संयुक्त सैन्य कार्रवाई का प्रशिक्षण ले रहे हैं। भारत और श्रीलंका की सेनाओं के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति-2026 श्रीलंका में जारी है। इस अभ्यास का 12वां संस्करण 13 नवंबर से शुरू हुआ है, जो 26 नवंबर तक चलेगा।

पहले 50 KM दौड़ेगी बुलेट ट्रेन, मई में होगा ट्रायल; रेल मंत्री ने दी जानकारी

परियोजना के पूरी होने पर मुंबई और अहमदाबाद के बीच का सफर केवल 1 घंटा 58 मिनट का रह जाएगा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन के ट्रायल और शुरुआती रूट को लेकर अहम जानकारी दी है। उनके मुताबिक, बुलेट ट्रेन ने स्क्रीज टेस्ट पास कर लिया है और अगले साल मई में इसका ट्रायल शुरू हो जाएगा। रेल मंत्री ने बताया कि शुरुआत में ट्रेन करीब 50 किलोमीटर के सेक्शन पर दौड़ेगी।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन के सिग्नलिंग का काम जनवरी में पूरा हो जाएगा। उनके मुताबिक, सूरत से बिलिमोरा तक का 50



किलोमीटर का सेक्शन पूरी तरह इलेक्ट्रिफाइड हो चुका है। 20 नवंबर को सूरत से बिलिमोरा तक 50 किमी लंबे एलिवेटेड खंड पर ओवरहेड ट्रैक्शन सिस्टम (2म25 द्यङ्क) में बिजली आपूर्ति शुरू की जा चुकी है। इसके बाद इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को चरणबद्ध तरीके से चालू किया जाएगा। रेल मंत्री के मुताबिक, बुलेट ट्रेन की शुरुआत गुजरात के सूरत से वापी रूट से होगी, जो संभवत- 2027 की आखिरी तिमाही में शुरू होगी।हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को स्वदेशी क्क28 ट्रेनसेट तैयार किया जा रहा है। इससे 280 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बुलेट ट्रेन चलेगी। इसका पहला बॉडी फ्रेम तैयार है और स्ट्रक्चरल टेस्टिंग चल रही है। वहीं, इसके बाद क्क85 ट्रेनसेट पर काम शुरू होगा, जिससे बुलेट ट्रेन की रफ्तार 350 किमी/घंटा तक जा सकती है।

कॉरिडोर परियोजना लगभग 508 किलोमीटर लंबी

मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना लगभग 508 किलोमीटर लंबी है। इसमें कुल 352 किलोमीटर गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली और 156 किलोमीटर महाराष्ट्र से होकर गुजरेगी। इस परियोजना के पूरी होने पर मुंबई और अहमदाबाद के बीच का सफर केवल 1 घंटा 58 मिनट का रह जाएगा।

मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन सत्र में हुए शामिल,

मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के खिलाफ सामूहिक प्रयासों से खड़ा करना होगा जनआंदोलन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। इनका उन्मूलन केवल सरकार या किसी एक संस्था के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए पूरे समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, सम्मान तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेकर इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा अत्यंत संवेदनशील विषय हैं, जिनका सीधा संबंध महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और उनके भविष्य से है। इन विषयों पर विचार-विमर्श के लिए न्यायपालिका, पुलिस, विश्वविद्यालयों, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के अनुभवी प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाना सराहनीय पहल है।



मानव तस्करी की रोकथाम के लिए जागरूकता और सतर्कता आवश्यक*

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृह जिले जशपुर का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय वहां मानव तस्करी की समस्या गंभीर थी। सरकार, पुलिस, महिला आयोग और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से इस समस्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी के अनेक मामलों में परिचित व्यक्ति ही नौकरी या बेहतर भविष्य का प्रलोभन देकर बेटियों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। ऐसे मामलों को रोकने के लिए परिवारों और समाज में जागरूकता तथा सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।मुख्यमंत्री ने जनसेवा के अपने लंबे अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे पिछले 30-35 वर्षों से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। लगभग 20 वर्षों तक सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान मानव तस्करी के अनेक मामले उनके सामने आए।

नेपाल के बिना हमारे राम अधूरे, साझा सभ्यता की हैं पहचान- बालेन शाह से बोले पीएम मोदी



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत के दो दिन के दौरे पर हैं। सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी औ बालेंद्र शाह के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। इसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल पड़ोस का नहीं, बल्कि अपनेपन और अटूट विश्वास का रिश्ता है।उन्होंने कहा कि हमारी खुशियां साझी हैं और हमारी चुनौतियां भी। उन्होंने हम एक-दूसरे की प्रगति में साथी हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा भी हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के पीएम बालेन शाह के साथ संयुक्त बयान में कहा कि भारत और नेपाल के रिश्ते साझा इतिहास, आस्था, संस्कृति और लोगों के आपसी जुड़ाव पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम और माता सीता दोनों देशों की साझा सभ्यता और आस्था के प्रतीक हैं।

पीएम मोदी ने नेपल के लिए विकास पैकेज की घोषणा की

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में नेपाल में आई बाढ़ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा 'अगस्त में नेपाल में आई भीषण बाढ़ से हुई जनहानि के लिए हम गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

जल्द ही विधानसभा में इसे लेकर प्रस्ताव पेश किया जाएगा

पश्चिम बंगाल का भी बदलेगा नाम, सरकार लाएगी प्रस्ताव- CM शुभेंदु ने किया ऐलान

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब पश्चिम बंगाल का नाम बदला जाएगा। शुभेंदु ने कहा कि पश्चिम बंगाल का नया नाम 'पश्चिम बंग' होगा। शुभेंदु ने कहा कि अंग्रेजी में भी इसे पश्चिम बंग ही लिखा जाएगा।शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 9 दिसंबर को इस पर विधानसभा में एक प्रस्ताव लाया जाएगा। इसे पास कर प्रस्ताव को भारत सरकार के पास भेजा जाएगा और फिर इसे संसद में पेश



किया जाएगा। शुभेंदु ने बताया कि कैबिनेट ने इसे आज मंजूरी दे दी है।पश्चिम बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू हो रहा है। यह सत्र 14 दिसंबर तक चलेगा। शुभेंदु अधिकारी ने 9 दिसंबर को प्रस्ताव लाने की बात कही है।

इसके पहले भाजपा के प्रदेश अध्क्ष शमिक भट्टाचार्य ने संकेत दिए थे कि राज्य सरकार प्रदेश का नाम बदलकर पश्चिम बंग कर सकती है। उन्होंने कहा था कि जल्द ही विधानसभा में इसे लेकर प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

ममता सरकार बांग्ला रखना चाहती थी नामपश्चिम बंगाल के नाम बदलने का मुद्दा पहले से ही चर्चा का विषय रहा है। जब ममता बनर्जी बंगाल करने का प्रस्ताव रखा था।

2027 की तैयारी में जुटी भाजपा लखनऊ में कोर ग्रुप की हुई बैठक

SIR समेत इन मुद्दों पर फोकस

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बीजेपी यूपी चुनाव 2027 की तैयारियों में जी-जान से जुट गई है। इसको लेकर लखनऊ स्थित बीजेपी कार्यालय में कोर ग्रुप की एक बैठक हुई, जिसमें स्ट्रक्र के जरिए मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले बीजेपी ने सियासी और संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। लखनऊ बीजेपी कार्यालय में हुई कोर ग्रुप की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष



पंकज चौधरी, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े और दोनों डिप्टी सीएम समेत वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में स्ट्रक्र के जरिए मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों, विभिन्न अभियान, पंचायत सम्मेलन, संगठन की चुनावी तैयारियों और ह्ष्ठ के सहयोगी दलों के साथ तालमेल पर चर्चा हुई। सहयोगी दलों की सीटों को लेकर बढ़ती दावेदारी के बीचर समन्वय बनाने पर भी मंथन हुआ।

यूपी में निष्क्रिय नेताओं पर बीजेपी सख्त

पद और रसूख नहीं, सक्रियता बनेगी टिकट की कसौटी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अभी से नेताओं और संगठन के पदाधिकारियों की सक्रियता का हिसाब-किताब शुरू कर दिया है। पार्टी में अब सिर्फ पद और राजनीतिक रसूख के दम पर टिकट की दावेदारी आसान नहीं होगी। संगठन के कामकाज, जनता के बीच सक्रियता और चुनावी जिम्मेदारियों को निभाने का रिकॉर्ड टिकट का बड़ा आधार बन सकता है।

प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने संगठनात्मक कामकाज में लापरवाही को लेकर नाराजगी जताई है। खासतौर



पर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (स्स्क्र) अभियान में अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखाने वाले नेताओं और पदाधिकारियों को लेकर नेतृत्व की नाराजगी सामने आई है। बैठक में प्रवासी बहनों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं नहीं किए जाने का मुद्दा भी सामने आया। इसे लेकर भी पार्टी नेतृत्व ने नाराजगी जताई।

संगठन की ओर से चलाए जा रहे अभियानों में महिलाओं और जमीनी कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। नेतृत्व का मानना है कि सिर्फ कागजों पर संगठन की सक्रियता दिखाने से चुनावी लक्ष्य हासिल नहीं होंगे।

2027 के टिकट के दावेदारों के लिए

विनोद तावड़े की नाराजगी को 2027 विधानसभा चुनाव के टिकट वितरण की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व का संदेश साफ है कि चुनाव में उन्हीं चेहरों को प्राथमिकता मिलेगी, जिनकी अपने क्षेत्र में पकड़ है और जो संगठन के अभियानों में लगातार सक्रिय रहते हैं।दावेदारों को अब साबित करनी होगी सक्रियता

इसका मतलब है कि विधायकों, पूर्व विधायकों और टिकट के दावेदारों को अब अपनी सक्रियता साबित करनी होगी।

न्यूज इन शॉर्ट



जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आमजन की समस्याएं सुनीं

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आज कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए ।जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

धान खरीदी में पारदर्शिता सर्वोपरि, किसानों की सुविधा का रखें पूरा ध्यान - श्री पिंगुआ

बिलासपुर। अपर मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने आज बिरकोना, सेंदरी, सेमरताल, रानीगांव और सैदा धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि किसानों से धान खरीदी पूरी पारदर्शिता के साथ की जाए। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल भी साथ थे। श्री पिंगुआ ने चेकलिस्ट के अनुरूप केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जांच की। उन्होंने निगरानी समिति के सदस्यों के नाम और मोबाइल नंबर केन्द्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित करने तथा नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने समक्ष इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन की जांच भी कराई ।पिछले दो-तीन दिनों में हुई बारिश के कारण केन्द्रों में किसानों की आवक कम रही। खरीदी परिसर के फड़ गीले होने से भी किसान धान बेचने इक्के - दुक्के पहुंच रहे हैं। प्रभारी सचिव ने निर्देश दिए कि बारिश के दिनों में टोकन लेने के बावजूद धान नहीं बेच पाए किसानों को उनकी सुविधा के अनुसार आगामी तिथि का टोकन जारी किया जाए। उन्होंने केन्द्रों में मौजूद किसानों से चर्चा कर आकस्मिक बारिश से फसलों पर पड़े असर की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि तैयार फसल वाले खेतों में पानी भरने से हार्वेस्टर के जरिए कटाई में कठिनाई होगी। प्रभारी सचिव ने खरीदी के बाद केन्द्रों में सुरक्षित रखे धान का भी निरीक्षण किया। तिरपाल से ढके होने के कारण धान को बारिश से कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने धान की सुरक्षा के लिए समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। श्री पिंगुआ ने समिति स्तर पर किसानों के रिकॉर्ड सुधार कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की। बताया गया कि रानीगांव में लगभग 400 किसानों के रिकॉर्ड में त्रुटियां थीं। इनमें से करीब 250 किसानों के रिकॉर्ड पिछले दो-तीन दिनों में सुधार लिए गए हैं। शेष लगभग 150 किसानों के रिकॉर्ड सुधार के प्रस्ताव भी राज्य शासन को भेज दिए गए हैं।

महादेवघाट का ऐतिहासिक पुन्नी मेलाः आस्था और लोक संस्कृति का संगम

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक ऐतिहासिक पुन्नी मेला राजधानी रायपुर के महादेव घाट में एक बार फिर अपनी भव्यता बिखेरने जा रहा है। खारून नदी के पावन तट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24 नवंबर को श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भगवान हटकेश्वर महादेव की नगरी में आस्था की डुबकी लगाने, दीपदान करने और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रायपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

महादेव घाट का पुन्नी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यहां पीढ़ियों से



चली आ रही परंपराएं आज भी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई जाती हैं। कार्तिक पूर्णिमा की पावन बेला में खारून नदी के तट पर प्रज्वलित दीपों की जगमगाहट, मंदिरों में गूंजते मंत्रोच्चार, भगवान शिव के जयकारे और पारंपरिक मेले की चहल-पहल मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को उजागर करता है।

ऐतिहासिक हटकेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी है मेले की गौरवशाली परंपरा

महादेव घाट स्थित प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस मंदिर का संबंध कलचुरी शासनकाल से माना जाता है। प्रचलित ऐतिहासिक विवरणों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मंदिर का निर्माण कलचुरी राजा ब्रह्मदेव के शासनकाल में हुआ था। कुछ विवरणों में इसका निर्माण वर्ष 1402 ईस्वी के आसपास बताया गया है, जबकि अन्य स्थानीय कथाओं में अलग-अलग तिथियों का उल्लेख मिलता है।

जशपुर जम्बूरी 2026 में दिखेगा रोमांच, साहसिक खेल और जनजातीय संस्कृति का अनूठा संगम

संवाददाता ➤ रायपुर

जिला प्रशासन द्वारा आयोजन को आकर्षक, रोमांचक और यादगार बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। जम्बूरी के माध्यम से देशभर के युवाओं, पर्यटकों, साहसिक खेल प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों को जशपुर की खूबसूरत वादियों, पहाड़ों, झरनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा।

साहसिक खेलों से रोमांचित होंगे पर्यटक

जशपुर जम्बूरी 2026 में साहसिक पर्यटन को विशेष महत्व दिया जाएगा। आयोजन के दौरान रॉक क्लाइंबिंग, जिपलाइन, हॉट एयर बैलून और विभिन्न एडवेंचर गेम्स जैसी रोमांचक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र होंगी। इसके साथ ही कयाकिंग और बोटिंग सहित जल क्रीड़ा गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से युवाओं और पर्यटकों को रोमांच तथा साहसिक खेलों का अनुभव करने का अवसर मिलेगा।

प्रकृति की गोद में ट्रेकिंग, नेचर वॉक और बर्ड वॉचिंग का मिलेगा आनंद

जम्बूरी में प्रकृति पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ट्रेकिंग, नेचर वॉक, बर्ड वॉचिंग और प्रकृति फोटोग्राफी जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनके माध्यम से प्रतिभागी जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता, हरे-भरे वन क्षेत्रों, पहाड़ियों और जैव विविधता को करीब से



जान सकेंगे। इसके अलावा साइकिलिंग, तीरंदाजी, रस्साकशी और पारंपरिक ग्रामीण खेलों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

जनजातीय कला-संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों से रूबरू होंगे पर्यटक

जशपुर जम्बूरी में जिले की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और स्थानीय परंपराओं की विशेष झलक देखने को मिलेगी। आयोजन स्थल पर जनजातीय कला, बांस शिल्प, हस्तनिर्मित वस्तुओं और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। छत्तीसगढ़ी एवं जनजातीय पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल पर्यटकों को स्थानीय खानपान और स्वाद से परिचित कराएंगे।

टेंट कैंपिंग, बोनफायर और सांस्कृतिक संध्या के आयोजन से पर्यटकों को प्रकृति के बीच मनोरंजन के साथ जनजातीय जीवनशैली, लोककला और परंपराओं को करीब से अनुभव करने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को अपनी प्रतिभा तथा उत्पादों के प्रदर्शन के लिए महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करेगा।

पर्यटन के विस्तार से स्थानीय रोजगार और स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

जशपुर जम्बूरी 2026 केवल पर्यटन और मनोरंजन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल साबित होने की उम्मीद है। आयोजन से स्थानीय युवाओं, महिला स्व-सहायता समूहों, होमस्टे संचालकों, हस्तशिल्प कलाकारों, छोटे व्यवसायियों और पर्यटन सेवाओं से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकेंगे।

राय सेवा सेतु से महज 5 दिनों में मिले जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र, बेटे की शिक्षा की

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सहज और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए संचालित सेवा सेतु पहल लोगों के लिए सुविधाजनक साबित हो रही है। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को आवश्यक प्रमाण पत्र एवं शासकीय दस्तावेज प्राप्त करने में सहूलियत मिल रही है। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया सरल होने और निर्धारित समय में सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को राहत मिल रही है।इसी कड़ी में जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा विकासखंड अंतर्गत ग्राम बगडबरी निवासी श्री तेजप्रताप के पुत्र को महज 5 दिनों में जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। श्री तेजप्रताप को अपने पुत्र की शिक्षा एवं अन्य आवश्यकताओं के लिए इन प्रमाण पत्रों की जरूरत थी। आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध नहीं होने से शिक्षा संबंधी कार्यों में परेशानी हो सकती थी। ऐसे में सेवा सेतु पहल उनके परिवार के लिए मददगार साबित हुई।

श्री तेजप्रताप ने बताया कि उन्होंने अपने पुत्र के जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील कार्यालय बलौदा स्थित सेवा सेतु केंद्र में आवेदन प्रस्तुत किया था। केंद्र के माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के महज 5 दिनों के भीतर उनके पुत्र के तीनों प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। कम समय में सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने से उन्हें बड़ी राहत मिली। अब वे अपने पुत्र की शिक्षा से जुड़े आवश्यक कार्यों को आसानी से पूरा कर सकेंगे।श्री तेजप्रताप ने सेवा सेतु केंद्र की कार्यप्रणाली और त्वरित सेवा की सराहना करते हुए बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि इतने कम समय में तीनों प्रमाण पत्र मिल जाएंगे। लेकिन आवेदन करने के महज 5 दिनों में बिना किसी परेशानी के सभी आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए।दस्तावेज बनवाने में काफी सुविधा मिल रही है।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर की तर्ज पर सरगुजा के रामगढ़ में आकार ले रहा भव्य श्रीराम मंदिर

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर रामगढ़ को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड स्थित ऐतिहासिक रामगढ़ में अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर की तर्ज पर श्रीराम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने रामगढ़ पहुंचकर निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से शीघ्र पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि कुछ समय पूर्व उन्होंने रामगढ़ में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण की घोषणा और भूमिपूजन किया था। आज उस संकल्प को धरातल पर साकार होते देखकर अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि क्षेत्रवासियों की आस्था, विश्वास और भावनाओं से जुड़ा एक पवित्र संकल्प है। भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं को सहेजने के उद्देश्य से यह निर्माण कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रभु श्रीराम भारतीय संस्कृति, मर्यादा, आदर्श और जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। उनके जीवन से समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की प्रेरणा मिलती है। रामगढ़ की पावन भूमि पर श्रीराम मंदिर का निर्माण क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कामना की कि प्रभु श्रीराम की कृपा से मंदिर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो और यह स्थान आने वाले समय में श्रद्धालुओं की आस्था तथा छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव का महत्वपूर्ण केंद्र बने।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। प्रदेश की लोकमान्यताओं में छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम के छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरने की मान्यताएं भी प्रचलित हैं। रामगढ़ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व इसी समृद्ध परंपरा से जुड़ा हुआ है। यहां स्थित रामगढ़ पर्वत, प्राचीन गुफाएं और प्राकृतिक सौंदर्य इस क्षेत्र को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं।

सेवा सेतु पोर्टल से दिव्या कुमारी को कुछ ही दिनों में मिला जाति प्रमाण पत्र

सेवा सेतु पोर्टल से दिव्या कुमारी को कुछ ही दिनों में मिला जाति प्रमाण पत्र

बिल्हा तहसील के सेवा सेतु केंद्र से किया ऑनलाइन आवेदन, समय और श्रम की हुई बचत

संवाददाता ➤ बिलासपुर,

बिल्हा विकासखंड के ग्राम मोहदा की निवासी दिव्या कुमारी को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन के कुछ ही दिनों में जाति प्रमाण पत्र मिल गया। उन्होंने बिल्हा तहसील स्थित सेवा सेतु केंद्र से ऑनलाइन आवेदन किया था। दिव्या ने बताया कि आवेदन से लेकर प्रमाण पत्र मिलने तक पूरी प्रक्रिया सरल रही और उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। दिव्या ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि ऑनलाइन सुविधा से उन्हें प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालय नहीं जाना पड़ा। इससे उनके समय और श्रम की बचत हुई। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए विशेष रूप से मददगार है, क्योंकि सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से जरूरी प्रमाण पत्रों के लिए



आवेदन करना आसान हो गया है।आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के लिए शुरू किए गए सेवा सेतु पोर्टल पर विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा है। दिव्या कुमारी ने इस पहल की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

लखनपुर के ग्राम गुमगरा कलां में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल

श्रीमद् भागवत कथा से मिलता है भक्ति, सदाचार और लोककल्याण का संदेशः पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

संवाददाता ➤ अम्बिकापुर

प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल आज सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम गुमगरा कलां में आयोजित पावन श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण कर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आराधना में सहभागिता की तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा जैसे आध्यात्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ग्राम गुमगरा कलां में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सम्मिलित होकर कथा श्रवण करने एवं प्रभु श्रीकृष्ण की भक्ति में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पावन आध्यात्मिक आयोजन में उपस्थित होकर मन को असीम शांति और आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में प्रार्थना



करते हुए कहा कि प्रभु अपनी कृपा और आशीर्वाद सभी पर बनाए रखें तथा प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें।

श्री अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण भारतीय सनातन संस्कृति का अमूल्य आध्यात्मिक ग्रंथ है। इसमें वर्णित भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं, उपदेश और जीवन प्रसंग मानव जीवन को प्रेम, करुणा, भक्ति, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। भागवत कथा का श्रवण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, सदाचार और जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर भी है। ऐसे आयोजनों से व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है तथा समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को बल मिलता है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने धर्म की स्थापना, अन्याय के प्रतिकार और लोककल्याण का संदेश दिया। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं हमें जीवन की कठिन परिस्थितियों में धैर्य, विवेक और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से इन आदर्शों और जीवन मूल्यों का प्रसार होता है, जिससे समाज में नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अपनी समृद्ध धार्मिक परंपराओं, लोक संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से है। प्रदेश के गांवों में आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत कथा, रामायण पाठ, भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक जड़ों को जीवंत बनाए रखते हैं। इन आयोजनों में सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता सामाजिक समरसता, पारस्परिक सहयोग और सामूहिक एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करती है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ये आयोजन न केवल लोगों को धर्म और अध्यात्म से जोड़ते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं से परिचित कराने का अवसर भी प्रदान करते हैं। परिवार और समाज के बीच प्रेम, सम्मान तथा सद्भाव बनाए रखने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। छत्तीसगढ़ के धार्मिक स्थल, पारंपरिक उत्सव और आध्यात्मिक आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान के अभिन्न अंग हैं। पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

न्यूज इन शॉर्ट

जिले में अब तक 33 हजार 851 क्विंटल धान की खरीदी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के 23 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। जिले में अब तक कुल 33 हजार 851 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 नवंबर की स्थिति में जिले में 33 हजार 819 क्विंटल मोटा धान तथा 32 क्विंटल सरना धान की खरीदी की गई है। उपार्जन केंद्रवार सर्वाधिक 3 हजार 987.60 क्विंटल धान की खरीदी मेढुका केंद्र में हुई है। इसी तरह लरकेनी में 3 हजार 372 क्विंटल, शिवनी में 3 हजार 256.40 क्विंटल, पेंड्रा में 2 हजार 214 क्विंटल तथा खोडरी में 2 हजार 77.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा, धान की गुणवत्ता एवं नमी परीक्षण सहित खरीदी व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। साथ ही अवैध धान के परिवहन एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत नि:शुल्क इलेक्ट्रिशियन प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही । मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) मरवाही में इलेक्ट्रिशियन डोमेस्टिक सॉल्यूशन कोर्स में नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जाना है। इस प्रशिक्षण की कुल अवधि 350 घंटे निर्धारित है। इस प्रशिक्षण के लिए 8वीं एवं 10वीं उत्तीर्ण इच्छुक युवक-युवतियां आवेदन कर सकते हैं। आवेदक संस्था कार्यालय में उपस्थित होकर अपना आवेदन फॉर्म जमा कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए 20 से 30 आवेदन प्राप्त होने के उपरांत प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को इलेक्ट्रिशियन कार्य से संबंधित व्यावहारिक कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के योग्य बनाना है। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए कार्यालय अधीक्षक, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मरवाही से संपर्क कर सकते हैं।

पेंड्रा बायपास के निर्माण के लिए 109 करोड़ की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

गौरेला पेंड्रा मरवाही1 लोक निर्माण विभाग ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पेंड्रा बायपास के निर्माण के लिए 108 करोड़ 86 लाख 59 हजार रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है। श्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैंकिसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

अजिले के तीन ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन शिविर आयोजित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं एवं वित्तीय योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 19 एवं 20 नवंबर को तीन ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन शिविर आयोजित किए गए। इनमें 19 नवंबर को पेंड्रा विकासखंड के ग्राम गिरारी एवं गौरेला विकासखंड के ग्राम गांगपुर तथा 20 नवंबर को मरवाही विकासखंड के ग्राम डोंगरिया में शिविर आयोजित हुए। इन शिविरों में 250 से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की। शिविरों में भारतीय रिजर्व बैंक के एलडीओ श्री क्षितिज वर्मा, जिला अग्रणी बैंक के मुख्य प्रबंधक श्री आर.एस. बघेल सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता, नवीन बैंक खाता खोलने, नामिनी दर्ज कराने, केवाईसी, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

राष्ट्रीय पैरा स्विमिंग प्रतियोगिता में जीपीएम जिले के खिलाड़ियों ने जीते 6 पदक, जिले का बढ़ाया गौरव

रोहित कुमार ने दो स्वर्ण और एक रजत, जन्तराम पनिका ने दो कांस्य तथा मोहनी मरावी ने जीता एक कांस्य पदक

कलेक्टर ने पदक विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 12 से 15 नवंबर तक आयोजित 26वीं राष्ट्रीय पैरा स्विमिंग प्रतियोगिता में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीतकर जिले एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम की ओर से जिले के तीन खिलाड़ियों रोहित कुमार,



जन्तराम पनिका एवं मोहनी मरावी ने भाग लेकर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। प्रतियोगिता में रोहित कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण एवं एक रजत पदक जीते। उन्होंने 50 मीटर बैक स्ट्रोक एवं 100 मीटर बैक स्ट्रोक स्पर्धा में शानदार समय दर्ज कर रिकॉर्ड भी बनाया। इसी तरह जन्तराम पनिका ने दो कांस्य पदक तथा मोहनी मरावी ने एक कांस्य पदक अर्जित कर जिले का नाम रोशन किया। राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर लौटे तीनों खिलाड़ियों ने आज कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. से सौजन्य भेंट की। कलेक्टर ने खिलाड़ियों की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, कठिन परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि इनकी सफलता जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिले के तीनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से खेल जगत में हर्ष का वातावरण है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, लगन और आत्मविश्वास से यह साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

पचमढ़ी आपदा प्रबंधन एवं पर्वतारोहण शिविर में शामिल 50 स्काउट्स एवं गाइड्स को कलेक्टर ने किया सम्मानित

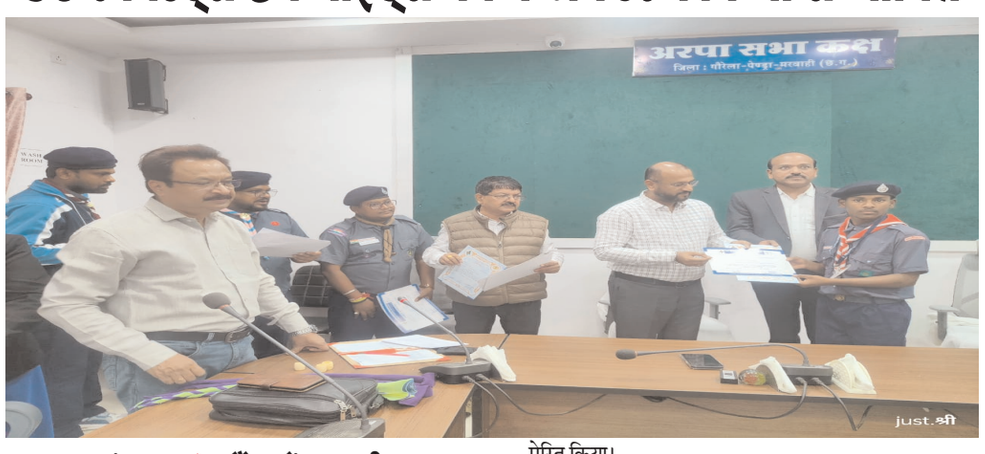

संवाददाता ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के 50 सदस्यीय दल ने मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में आयोजित आपदा प्रबंधन एवं पर्वतारोहण शिविर में सहभागिता कर जिले का गौरव बढ़ाया है। शिविर से लौटे प्रतिभागियों को आज कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों में अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और सेवा भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शिविर में प्राप्त प्रशिक्षण एवं अनुभवों का उपयोग जीवन में करने तथा आपदा एवं अन्य विषम परिस्थितियों में जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया।

उल्लेखनीय है कि पचमढ़ी में 12 से 16 नवंबर तक आयोजित शिविर में जिले के 46 स्काउट्स एवं गाइड्स तथा 4 शिक्षक-प्रशिक्षकों सहित कुल 50 सदस्यों ने भाग लिया। शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने पर्वतारोहण, आपदा प्रबंधन, साहसिक गतिविधियों, सामूहिक नेतृत्व, अनुशासन एवं विषम परिस्थितियों में कार्य करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। सम्मान समारोह में कलेक्टर के साथ जिला मुख्य आयुक्त डॉ. नीरज जैन एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी ने भी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिविर में विद्यार्थियों के साथ सहभागी रोवर लीडर श्री अनिल पटेल एवं श्री विजय कुमार कोरी, गाइड श्रीमती किरण कश्यप तथा जिला प्रभारी श्रीमती अर्चना सामुएल मसीह को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी मरवाही श्री संजय वर्मा भी उपस्थित थे।

ऑनलाइन बुकिंग के आँकड़ों से यात्रियों की माँग का सटीक आकलन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में दो वर्षों में लगभग 1,000 टीओडी गाड़ियाँ

संवाददाता ➤ बिलासपुर/रायपुर

भारतीय रेल यात्रियों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी सेवाओं को निरंतर अधिक लचीला और यात्री-केंद्रित बना रही है। इसी दिशा में ÷ट्रेन ऑन डिमांड÷ (टीओडी), अर्थात माँग आधारित गाड़ियाँ, एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरी है। त्योहारों, छुट्टियों, मेलों और विशेष अवसरों पर जब किसी मार्ग पर यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ जाती है, तब टीओडी के माध्यम से उसी मार्ग पर, उसी समय अतिरिक्त गाड़ियाँ चलाकर यात्रियों को राहत दी जाती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी इस व्यवस्था के माध्यम से अपने क्षेत्र के यात्रियों को उनकी आवश्यकता के समय अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध करा रही है।

ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी) क्या है?

ट्रेन ऑन डिमांड ऐसी गाड़ियाँ हैं जो नियमित समय-सारणी से अलग, यात्रियों की वास्तविक माँग के आधार पर चलाई जाती हैं। नियमित गाड़ियाँ पूरे वर्ष एक निश्चित समय-सारणी पर चलती हैं, जबकि टीओडी किसी विशेष मार्ग पर, किसी विशेष अवधि में बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए अधिसूचित की जाती हैं। जैसे ही किसी मार्ग पर माँग बढ़ने के संकेत मिलते हैं, रेलवे उस मार्ग के लिए अतिरिक्त गाड़ी की योजना बनाकर उसे अधिसूचित करती है और यात्री उसमें सामान्य गाड़ियों की तरह आरक्षण करा सकते हैं। माँग सामान्य होने पर ये गाड़ियाँ नहीं चलाई जातीं। टीओडी तभी चलाई जाती है जब पाथ, रेक, अनुरक्षण अवसंरचना तथा प्लेटफॉर्म की उपलब्धता की दृष्टि से इसका संचालन व्यवहार्य हो।

रेलवे बोर्ड ने यह अवधारणा क्यों प्रारंभ की?

देश के कई मार्गों पर वर्ष भर यात्रियों की संख्या एक जैसी नहीं रहती। दीपावली, छठ, होली, गर्मी की छुट्टियों या बड़े मेलों के समय कुछ मार्गों पर यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, जबकि वर्ष के अन्य दिनों में वही मार्ग सामान्य रहते हैं। ऐसे समय में नियमित गाड़ियों में लंबी प्रतीक्षा सूची बन जाती है और बहुत से यात्रियों को कन्फ़र्म टिकट नहीं मिल पाता। केवल नियमित गाड़ियों की संख्या बढ़ाकर इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, क्योंकि कम माँग वाले दिनों में वे गाड़ियाँ खाली चलेंगी। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए रेलवे बोर्ड ने ट्रेन ऑन डिमांड की अवधारणा प्रारंभ की, ताकि जहाँ और जब माँग हो, वहीं और तभी अतिरिक्त गाड़ियाँ उपलब्ध कराई जा सकें।

टीओडी के पीछे मूल सोच यह है कि रेल सेवाएँ यात्रियों की आवश्यकता के अनुसार चलें, न कि यात्री केवल उपलब्ध सेवाओं के अनुसार अपनी यात्रा तय करने को विवश हों। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक यात्रियों को कन्फ़र्म टिकट उपलब्ध कराना, प्रतीक्षा सूची को कम करना, त्योहारों में लोगों को अपने परिवार के पास पहुँचने में सहायता करना और साथ ही रेल संसाधनों का अधिकतम एवं विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना है। यह व्यवस्था रेलवे को एक स्थिर समय-सारणी से आगे बढ़ाकर माँग के प्रति सजग और संवेदनशील परिवहन व्यवस्था बनाती है।

न्यायालय (एस.के.रात्रे) तृतीय जिला न्यायधीश कटघोरा जिला-कोरबा (छ.ग.)।

प्रकरण क्रमांक - 16/2023
प्रोसेस क्रमांक - 941/26
पेशी तारीख - 27/11/26

//ईश्तहार//

शेख करीम वगै .....वादी/आवेदक
विरुद्ध
मों आरीफ वगै.....

प्रतिवादी / अनावेदक बनाम (1) रुखसाना पति सलीम उर्फ सफीक 2. स्वेब पिता सलीम उर्फ सफीक3. असफाक पिता सलीम निवासी नगर - गोरेला - ज्योतिपुर कोरीपारा पो.गौरेला थाना पेंड्रा रोड जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.) वादी/ आवेदक शेख करीम वगै ....के द्वारा प्रतिवादी / आवेदक मो. आरिफ वगै.....के विरुद्ध धारा 96 सहपठित आदेश 41 नियम 01 टप.जा.स. के तहत माननीय न्यायालय श्रीमान एच.के.रात्रे तृतीय जिला न्यायधीश कटघोरा जिला-कोरबा (छ.ग) में प्रस्तुत किया गया है और उक्त प्रकरण पत्र की सुनवाई हेतु दिनांक 27-11-26 की तिथि है। अत: प्रतिवादी / अनावेदक (1) रुखसाना पति सलीम उर्फ सफीक2. स्वेब पिता सलीम उर्फ सफीक
3. असफाक पिता सलीम उर्फ सफीक निवासी- गोरेला - ज्योतिपुर कोरीपारा पो.गौरेला थाना व तहसील पेंड्रारोड जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग) को उकत आवेदन पत्र के संबंध में कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 27-11-26 को प्रात: 11 बजे उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश करें अन्यथा प्रकरण की सुनवाई दिनांक 27/11/26 को प्रात: 11 बजे उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश करें अन्यथा प्रकरण की सुनवाई आपके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी ।नोट - यदि किसी कारणवश आगामी तिथि को अवकाश हो जाता है या कार्य स्थगित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हों तो प्रकरण की सुनवाई ठीक अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा ।यह आज तारीख 18/11/26 को मेरे हस्ताक्षर से अधिकरण की मुद्रा लगाकर कर दिया गया है।

दिनांक - 18/11/26

तृतीय जिला न्यायधीश कटघोरा, जिला - कोरबा (छ.ग.)

पीवीटीजी परिवारों के घरों में पहुंची सौर ऊर्जा की रोशनी

दूरस्थ वनांचल के 96 जनजातीय परिवारों को सोलर होम लाइटिंग सिस्टम से मिला लाभ

रायपुर। दूरस्थ वनांचल के 96 जनजातीय परिवारों को सोलर होम लाइटिंग सिस्टम से मिला लाभदूरस्थ वनांचल में रहने वाले विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के परिवारों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए पीएम-जनमन योजना के तहत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा कबीरधाम जिले के बोड़ला और पंडरिया विकासखंड के दूरस्थ गांवों में सोलर होम लाइटिंग सिस्टम के माध्यम से जनजातीय परिवारों के घरों को रोशन किया गया है। सौर ऊर्जा से घरों में रोशनी मिलने से इन परिवारों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ी है।

क्रेडा द्वारा बोड़ला विकासखंड के ग्राम सौरू में 46, महाराजपुरडीह में 11, बदौरा में 18, बोल्दा में 05 तथा चैराहा में 01 परिवार को सोलर होम लाइटिंग सिस्टम से लाभान्वित किया गया है। इसी प्रकार पंडरिया विकासखंड के ग्राम अजवाइनवाह में 02, सेजाडीह में 12 तथा छिन्दिडीह में 01 परिवार के घरों में सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था स्थापित की गई है। इस तरह दोनों विकासखंडों के कुल 96 जनजातीय परिवारों को सोलर होम लाइटिंग सिस्टम का लाभ मिला है।

घरों में रोशनी से पढ़ाई और घरेलू कामकाज में मिली सुविधा

दूरस्थ वनांचल के कई गांवों में बिजली की पारंपरिक व्यवस्था पहुंचाना कठिन होता है।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

अयोध्या के श्रीराम मंदिर की तर्ज पर सरगुजा के रामगढ़ में आकार ले रहा भव्य श्रीराम मंदिर

रामगढ़ को धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

श्रीराम मंदिर का निर्माण क्षेत्रवासियों की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक - श्री अग्रवाल

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर रामगढ़ को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड स्थित ऐतिहासिक रामगढ़ में अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर की तर्ज पर श्रीराम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने रामगढ़ पहुंचकर निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से शीघ्र पूर्ण करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि कुछ समय पूर्व उन्होंने रामगढ़ में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण की घोषणा और भूमिपूजन किया था। आज उस संकल्प को धरातल पर साकार होते देखकर अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं, बल्कि क्षेत्रवासियों की आस्था, विश्वास और भावनाओं से जुड़ा एक पवित्र संकल्प है। भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं को सहेजने के उद्देश्य से यह निर्माण कार्य अत्यंत महवपूर्ण है।श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रभु श्रीराम भारतीय संस्कृति, मर्यादा, आदर्श और जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं। उनके जीवन से समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की प्रेरणा मिलती है। रामगढ़ की पावन भूमि पर श्रीराम मंदिर का निर्माण क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कामना की कि प्रभु श्रीराम की कृपा से मंदिर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण हो और यह स्थान आने वाले समय में श्रद्धालुओं की आस्था तथा छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव का महत्वपूर्ण केंद्र बने।मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। प्रदेश की लोकमान्यताओं में छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम के छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरने की मान्यताएं भी प्रचलित हैं। रामगढ़ का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व इसी समृद्ध परंपरा से जुड़ा हुआ है। यहां स्थित रामगढ़ पर्वत, प्राचीन गुफाएं और प्राकृतिक सौंदर्य इस क्षेत्र को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं।

सरगुजा जिले का रामगढ़ ऐतिहासिक, पुरातात्विक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहां स्थित सीताबेंगरा और जोगीमारा गुफाएं प्राचीन भारतीय कला, स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। रामगढ़ पर्वत से जुड़ी भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की लोकमान्यताएं इस क्षेत्र के धार्मिक महत्व को और बढ़ाती हैं। साथ ही रामगढ़ को महाकवि कालिदास की साहित्यिक परंपरा से भी जोड़ा जाता है। ऐसे ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले स्थान पर भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण क्षेत्र की धार्मिक पहचान को और सुदृढ़ करेगा।

छत्तीसगढ़ शासन
वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मरवाही वनमडल पेण्ड्रारोड (छ.ग.)
निविदा का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मरवाही वनमंडल पेण्ड्रारोड अंतर्गत मरवाही एवं पेण्ड्रा परिक्षेत्र के विभिन्न कम्पार्टमेंट में कैम्पा मद अंतर्गत स्वीकृत क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण कार्य के उपयोग हेतु Fertile Soil की आपूर्ति हेतु निम्नानुसार मुहर बंद निविदा आमंत्रित किया जाता है।

विवरण	निविदा खोलने की तारीख	निविदा स्वीकार करने का समय	निविदा खोलने का समय
प्रथम आमंत्रण	15.12.2026	11 बजे तक	12 बजे
द्वितीय आमंत्रण	29.12.2026	11 बजे तक	12 बजे
तृतीय आमंत्रण	05.01.2027	11 बजे तक	12 बजे

निविदा का विवरण

No.	Particular	Details
1	Name of Material	Fertile Soil
2	Required Quantity in Cmt	9314.67 Cmt.
3	Time allowed for completion	One months
4	Document Fees	Rs. 1000 by DD in the name of VAN MANDALAADHIKARI MARWAHI VAN MANDAL PENDRAROAD
5	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs. 35,860/- by DD in the name of VAN MANDALAADHIKARI MARWAHI VAN MANDAL PENDRAROAD (1% of Bid Value)
6	Performance Security/ Security Deposit (SD)	3% of the Bid Value
	Bid Parameter	Lowest Financial Bid (L1)

उक्त निविदा Cg Forest की वेबसाईट https://forest.cg.gov.in/ से भी डाउनलोड किया जा सकता है, निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी वनमंडल कार्यालय मरवाही में कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है। सम्पर्क नंबर 97554-54455

Digitally signed by Kumar Nishant
Date: 19-11-2026 10:34:54

262704629/2

वनमंडलाधिकारी
मरवाही वनमंडल, पेण्ड्रारोड

न्यूज इन शॉर्ट

जिले में अब तक 33 हजार 851 क्विंटल धान की खरीदी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के 23 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। जिले में अब तक कुल 33 हजार 851 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 नवंबर की स्थिति में जिले में 33 हजार 819 क्विंटल मोटा धान तथा 32 क्विंटल सरना धान की खरीदी की गई है। उपार्जन केंद्रवार सर्वाधिक 3 हजार 987.60 क्विंटल धान की खरीदी मेढुका केंद्र में हुई है। इसी तरह लरकेनी में 3 हजार 372 क्विंटल, शिवनी में 3 हजार 256.40 क्विंटल, पेंड्रा में 2 हजार 214 क्विंटल तथा खोडरी में 2 हजार 77.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा, धान की गुणवत्ता एवं नमी परीक्षण सहित खरीदी व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। साथ ही अवैध धान के परिवहन एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत एनएमडीसी किरंदुल में 91 पदों परअवसर, 18 दिसंबर तक करें आवेदन

दंतेवाड़ा। जिले के युवाओं को प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं कार्य अनुभव प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। भारत सरकार के कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत एनएमडीसी लिमिटेड, किरंदुल में विभिन्न ट्रेड एवं विषयों के कुल 91 पदों पर इंटर्नशिप के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र युवा 18 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला कौशल विकास प्राधिकरण, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चयनित अभ्यर्थियों को 9 माह की इंटर्नशिप कराई जाएगी। इस दौरान उन्हें प्रतिमाह 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिसमें 8,100 रुपये भारत सरकार तथा 900 रुपये संबंधित कंपनी की ओर से दिए जाएंगे। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता राशि भी मिलेगी, जो 3,000 रुपये की दो किश्तों में प्रदान की जाएगी। जिला कौशल विकास प्राधिकरण, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चयनित अभ्यर्थियों को 9 माह की इंटर्नशिप कराई जाएगी। इस दौरान उन्हें प्रतिमाह 9,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिसमें 8,100 रुपये भारत सरकार तथा 900 रुपये संबंधित कंपनी की ओर से दिए जाएंगे। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को 6,000 रुपये की एकमुश्त सहायता राशि भी मिलेगी, जो 3,000 रुपये की दो किश्तों में प्रदान की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक एवं फार्मेसी से संबंधित कुल 20 ट्रेड एवं विषयों में युवाओं को अवसर दिया जा रहा है। इनमें इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, फिटर, डीजल मैकेनिक, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट सहित सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और माइनिंग इंजीनियरिंग जैसे विषय प्रमुख हैं। इससे तकनीकी एवं शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवाओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली समझने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर मिलेगा। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक किसी पूर्णकालिक नौकरी में कार्यरत नहीं होना चाहिए तथा उसके परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। इच्छुक युवा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के आधिकारिक पोर्टल पर 18 नवंबर से 18 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं।

आवेदन प्रक्रिया एवं योजना संबंधी जानकारी के लिए अभ्यर्थी नजदीकी शासकीय आईटीआई संस्थान अथवा टोल-फ्री नंबर 1800-116-090 पर संपर्क कर सकते हैं। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग ने जिले के युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाकर औद्योगिक क्षेत्र में अनुभव अर्जित करने तथा भविष्य में रोजगार की संभावनाओं को मजबूत बनाने की अपील की है।

रामनगर-गुढ़ियारी मार्ग के गड्ढों की मरम्मत, राहगीरों को मिली राहत

संवाददाता ➤ रायपुर

राजधानी रायपुर में नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम जोन क्रमांक-2 के लोक कर्म विभाग ने रामनगर-गुढ़ियारी मुख्य मार्ग पर अभियान चलाकर सड़क के गड्ढों की मरम्मत कराई। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। जनशिकायत मिलने के बाद नगर निगम की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आवश्यक सुधार और मरम्मत का काम कराया। इससे प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों नागरिकों को राहत मिली है।

महापौर और आयुक्त के निर्देश पर चला अभियान

नगर निगम जोन-2 के लोक कर्म विभाग की टीम ने रामनगर से गुढ़ियारी जाने वाले मुख्य मार्ग पर हुए गड्ढों को दुरुस्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया। यह कार्रवाई नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष दीपक जायसवाल और आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देशानुसार की गई। अभियान के तहत सड़क पर बने गड्ढों की पहचान कर उनमें आवश्यक सुधार कराया गया। इसके बाद मरम्मत कार्य पूरा किया गया, ताकि मार्ग से गुजरने वाले नागरिकों और वाहन चालकों को आवागमन में किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जोन कमिश्नर ने किया मरम्मत कार्य का निरीक्षण

निर्देशों के पालन में नगर निगम जोन क्रमांक-2 के जोन कमिश्नर पी.डी. धृतलहरे ने संबंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में मरम्मत और सुधार कार्य का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने सड़क पर किए गए सुधार कार्यों को देखा। नगर निगम के लोक कर्म विभाग की टीम ने अभियान के तहत मार्ग में हुए गड्ढों की मरम्मत कर आवागमन को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया। अधिकारियों की निगरानी में कराए गए इस कार्य का उद्देश्य सड़क पर होने वाली परेशानियों को दूर करना और नागरिकों को तत्काल राहत उपलब्ध कराना रहा।

प्रतिदिन हजारों नागरिकों को मिलेगी राहत

रामनगर-गुढ़ियारी मुख्य मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक, राहगीर और वाहन चालक आवागमन करते हैं। सड़क पर गड्ढे होने के कारण उन्हें आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से इस मार्ग का नियमित उपयोग करने वाले लोगों के लिए सड़क की मरम्मत जरूरी थी। नगर निगम जोन-2 के लोक कर्म विभाग की त्वरित कार्रवाई से मार्ग पर आवागमन करने वाले हजारों लोगों को राहत मिली है। सड़क के गड्ढों में सुधार होने से वाहन चालकों और राहगीरों को पहले की तुलना में अधिक सुगम आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

जनशिकायत का जोन स्तर पर किया गया त्वरित निराकरण

नगर निगम के अनुसार, रामनगर-गुढ़ियारी मार्ग की समस्या को लेकर प्राप्त जनशिकायत का जोन स्तर पर त्वरित निराकरण किया गया। जोन-2 के लोक कर्म विभाग ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मरम्मत अभियान चलाया और सड़क की आवश्यक मरम्मत कराई। नगर निगम द्वारा की गई इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि नागरिकों की जनसुविधा से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए जोन स्तर पर काम किया जा रहा है। महापौर, लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष और आयुक्त के निर्देश पर अधिकारियों ने मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दी। रामनगर-गुढ़ियारी मार्ग पर गड्ढों की मरम्मत से स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों को त्वरित राहत मिली है। नगर निगम जोन-2 के इस अभियान को जनसुविधा और सुगम आवागमन की दिशा में की गई कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।



बैगा परिवार में शादी की खुशियों के बीच घुसे 4 हाथी, घरों में मचाया उत्पात

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक बैगा परिवार के घर शादी की खुशियां उस वक्त दहशत में बदल गईं, जब अचानक चार हाथियों का दल गांव में पहुंच गया। शादी समारोह के लिए घर में मेहमानों की भीड़ जुटी हुई थी। इसी दौरान हाथियों ने गांव में जमकर उत्पात मचाया। दल ने बैगा परिवार के दो घरों को नुकसान पहुंचाया और शादी में आए मेहमानों के लिए रखे चावल को खा लिया। हाथियों ने चावल को जमीन पर भी बिखेर दिया। अचानक हाथियों के पहुंचने से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

शादी समारोह के बीच पहुंचा हाथियों का दल

मामला कवर्धा जिले के कुकुदुर थाना क्षेत्र के केशमर्दा गांव का है। जानकारी के अनुसार, बैगा परिवार में शादी का आयोजन था। घर में रिश्तेदारों और मेहमानों का आना-जाना लगा हुआ था। शादी की तैयारियां चल रही थीं और मेहमानों के भोजन के लिए बड़ी मात्रा में चावल रखा गया था। इसी बीच चार हाथियों का दल अचानक गांव में पहुंच गया। हाथियों को देखकर शादी समारोह में मौजूद लोगों के बीच दहशत फैल गई। किसी को संभलने का मौका नहीं मिला और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से ग्रामीण परेशान, ऑनलाइन कामकाज ठप

संवाददाता ➤ अंतागढ़

डिजिटल इंडिया के दौर में जहां शासन-प्रशासन सरकारी योजनाओं और सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम से आम जनता तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है, वहीं अंतागढ़ क्षेत्र की कोसरोण्डा पंचायत के ग्रामीण आज भी मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पंचायत क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामकाज में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेटवर्क की समस्या का सबसे अधिक असर पंचायत स्तर पर संचालित होने वाले ऑनलाइन कार्यों और सरकारी योजनाओं से जुड़ी डिजिटल सेवाओं पर पड़ रहा है।

मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से ऑनलाइन कामकाज प्रभावित

कोसरोण्डा पंचायत में मोबाइल नेटवर्क की अनुपलब्धता ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। वर्तमान समय में सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन, दस्तावेजों का सत्यापन और विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाएं ऑनलाइन माध्यम से पूरी की जाती हैं। ऐसे में नेटवर्क की सुविधा नहीं होने के कारण ग्रामीणों को इन सेवाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पंचायत स्तर पर होने वाले कई महत्वपूर्ण कार्य भी नेटवर्क की समस्या के चलते समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इससे ग्रामीणों के साथ-साथ पंचायत के नियमित कामकाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

सरकारी योजनाओं की जानकारी लेने में भी परेशानी

ग्रामीणों के अनुसार, मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से सरकारी योजनाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करना भी मुश्किल हो रहा है। ऑनलाइन आवेदन और दस्तावेजों के सत्यापन जैसी प्रक्रियाओं में नेटवर्क की आवश्यकता होती है, लेकिन पंचायत क्षेत्र में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। डिजिटल सेवाओं का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सुविधाओं को आम जनता तक आसानी से पहुंचाना है, लेकिन कोसरोण्डा पंचायत में नेटवर्क की समस्या इस उद्देश्य की राह में बाधा बन रही है। ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सुविधा के बिना डिजिटल व्यवस्था का पूरा लाभ मिल पाना संभव नहीं है।

कई बार उठाई मोबाइल टावर लगाने की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत क्षेत्र में मोबाइल टावर स्थापित करने की मांग कई बार संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों के समक्ष रखी जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसका समाधान नहीं होने के कारण ग्रामीणों की परेशानियां लगातार बरकरार हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध होने से पंचायत क्षेत्र में ऑनलाइन कामकाज को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा। साथ ही सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी और अन्य डिजिटल सेवाओं तक पहुंच भी आसान हो सकेगी।

डिजिटल सुविधाओं से जुड़ने की उम्मीद अधूरी

एक ओर शासन-प्रशासन गांवों को डिजिटल सुविधाओं से जोड़ने और सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने पर जोर दे रहा है, वहीं दूसरी ओर कोसरोण्डाग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

धान खरीदी केंद्रों पर पहुंचीं ऋचा शर्मा और कलेक्टर गौरव सिंह; यहां देखें कि आगे क्या हुआ

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और किसानों को उपार्जन केंद्रों पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासनिक निरीक्षण किया गया। अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा और रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आरंग तथा जरौद धान खरीदी केंद्रों का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने खरीदी प्रक्रिया से लेकर धान के सुरक्षित रखरखाव तक विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आरंग धान खरीदी केंद्र में सुविधाओं का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान ऋचा शर्मा और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आरंग धान खरीदी केंद्र में किसानों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि



उपार्जन केंद्र में पेयजल, बैठने और छाया जैसी बुनियादी सुविधाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध रहें, ताकि धान बेचने आने वाले किसानों को इंतजार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खरीदी प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से संचालित होनी चाहिए और किसानों को अपना धान बेचने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस संबंध में संबंधित कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

जरौद केंद्र में धान के सुरक्षित रखरखाव पर जोर

इसके बाद अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा तथा कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जरौद धान खरीदी केंद्र का भी निरीक्षण किया।व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए।

सूरजपुर में तड़के भीषण हादसा!

टायर फटते ही बेकाबू बस; पेड़ से जोरदार टक्कर चालक फंसा

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में तड़के एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अंबिकापुर से बिहार के सासाराम जा रही बस प्रतापपुर क्षेत्र के शिवपुर मार्ग पर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे के समय बस में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। इस दुर्घटना में चालक और परिचालक सहित करीब 15 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इनमें चार गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए अंबिकापुर रेफर किया गया है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद प्रतापपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यात्री बस अंबिकापुर से यात्रियों को लेकर बिहार के सासाराम की ओर जा रही थी। इसी दौरान प्रतापपुर के शिवपुर मार्ग के पास बस का टायर अचानक फट गया। बताया जा रहा है कि बस तेज रफ्तार में थी। टायर फटने के बाद चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका और बस सड़क किनारे स्थित पेड़ से टकरा गई। टक्कर के कारण बस में सवार कई यात्रियों को चोटें आईं। अचानक हुई दुर्घटना से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।नक्शे देखें

वाहन काटकर निकाला गया चालक

इस सड़क हादसे में बस चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद वह वाहन के भीतर बुरी तरह फंस गया था। चालक को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार बस के हिस्से को काटकर उसे बाहर निकाला गया। हादसे में बस परिचालक के भी गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी मिली है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद लोगों ने सहायता के लिए पहल की। स्थानीय लोगों ने प्रतापपुर पुलिस को सूचना दी और बस में फंसे तथा घायल यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

द्यह्यश ऋद्गड्डस्र - राज्यपाल ने सरस्वती महाविद्यालय को दिए 10 कंप्यूटर और प्रिंटर

दंतेवाड़ा के बैलाडीला खदान का मलबा खिसकने की जांच आईआईटी रुड़की एवं मुंबई के विशेषज्ञों की टीम करेगी

संवाददाता ➤ दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के दंतेखाड़ा जिले में किरंदुल स्थित बैलाडीला की पहाड़ियों में राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के डिपॉजिट-14 एमएल क्षेत्र में खदान का मलबा खिसकने के बाद राष्ट्रीय खनिज विकास निगम प्रबंधन ने इस धंसाव को प्राकृतिक कारणों से जुड़ी घटना करार दिया है।निगम के अनुसार खिसका हुआ मलबा किसी वर्तमान खनन कार्य से संबंधित नहीं है। प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आसपास के गांवों में किसी प्रकार की जनहानि, चोट या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। सड़क पर जमा मलबे और पत्थरों को हटाने के लिए भारी मशीनरी तैनात की गई है। इसके अलावा स्थल के भू-तकनीकी आकलन तथा घटना की परिस्थितियों की जांच के लिए आईआईटी रुड़की और आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है, जो स्थानीय



प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करेगी।राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के डिपॉजिट-14 एमएल क्षेत्र के दशकों पुराने खनन मलबे और अवशेषों के बीते दो-तीन दिनों से लगातार धंसने के कारण लोहागांव-किरंदुल मुख्य सड़क मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। लाल मिट्टी और बड़े पत्थरों के नीचे खिसकने से आस-पास के घने वन क्षेत्र और लोहागांव के पास स्थित गांवों में भारी चिंता फैल गई है। सुरक्षा को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्र में आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। पहाड़ी क्षेत्र में गहरी और चौड़ी दरारें पड़ने के कारण बड़े पैमाने पर धंसाव की आशंका गहरा गई है। मिट्टी और पत्थरों का खिसकना पूरी तरह न थमने से लोहागांव और किरंदुल के बीच संपर्क मार्ग पूरी तरह बंद पड़ा हुआ है। मुख्य मार्ग ठप होने से स्थानीय निवासियों और आदिवासी समुदायों क्सेवाओं तक पहुंच तथा आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ग्राम पंचायत सचिव के 45 पदों के लिए प्राविधिक चयन एवं प्रतीक्षा सूची जारी, 30 नवंबर तक दावा-आपत्ति आमंत्रित

दंतेवाड़ा। जिले में ग्राम पंचायत सचिव के कुल 45 पदों पर भर्ती प्रक्रिया के तहत जिला पंचायत द्वारा प्राविधिक चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। अभ्यर्थी चयन सूची का अवलोकन जिला पंचायत एवं संबंधित जनपद पंचायतों के सूचना पटल सहित जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर कर सकते हैं।

ग्राम पंचायत सचिव के 45 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत पात्र आवेदकों में से विज्ञापन में निर्धारित अनुपात के अनुसार एक पद के विरुद्ध 10 अभ्यर्थियों को कम्प्यूटर कौशल परीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया। उक्त परीक्षा का आयोजन 02, 03 एवं 04 नवंबर 2026 को जिला पंचायत दंतेवाड़ा के एम.आई.एस. कक्ष में किया गया।

कम्प्यूटर कौशल परीक्षा के उपरांत कार्यालय जिला पंचायत में 06 नवंबर 2026 के तहत मेरिट सूची का प्रकाशन किया गया था। इसी मेरिट सूची के आधार पर अब प्राविधिक चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची जारी की गई है।अभ्यर्थी प्राविधिक चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची का अवलोकन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दंतेवाड़ा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण के सूचना पटल पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिले की आधिकारिक वेबसाइटपर भी सूची उपलब्ध है।जारी सूची के संबंध में यदि किसी अभ्यर्थी को कोई आपत्ति हो, तो वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना लिखित आवेदन 30 नवंबर 2026 को शाम 5-30 बजे तक कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दंतेवाड़ा में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

शास्त्री ने बताया सैमसन की सफलता का राज



मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके प्रदर्शन में ये अंतर मानसिक मजबूती के कारण आया है। शास्त्री ने कहा कि संजू को अहसास हो गया है कि टीम में बने रहने के लिए निरंतरता की जरुरत है। सैमसन ने विश्व कप में प्रदर्शन में निरंतरता और बेहतर शॉट चयन के सहारे अपने प्रदर्शन में बदलाव किया है।

शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें यह अहसास हो रहा है और वह इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता की जरूरत है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा करना होगा।

टी20 विश्वकप के फाइनल से पहले कार्यक्रम पॉप सुपरस्टार रिकी मार्टिन



अहमदाबाद । यहां रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट फाइनल से पहले होने वाले समापन समारोह में पॉप सुपरस्टार रिकी मार्टिन भी कार्यक्रम पेश करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मार्टिन एक खास तौर पर तैयार कार्यक्रम पेश करेंगे। ये कार्यक्रम शाम 5:30 बजे शुरू होगा। अपनी दमदार आवाज, स्टेज पर जबरदस्त मौजूदगी और दुनिया भर में लैटिन पॉप गानों के लिए लोकप्रिय मार्टिन की प्रस्तुति की खबर सुनकर प्रशंसक भी उत्साहित हैं। इस पॉप स्टार के कार्यक्रम से प्रशंसकोंको एक रोमांचक और यादगार अनुभव मिलेगा।

फुटबॉल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट करते हुए



वाशिंगटन में मेजर लीग फुटबॉल में इंटर मियामी के कप्तान लियोनन मैसी आभूषणों से जड़ी फुटबॉल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट करते हुए।

अक्षर बोले जैक्स से अधिक कठिन था हैरी का कैच



एजेंसी ➤ मुंबई

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत में हैरी ब्रुक और विल जैक्स के कैच पकड़कर अहम भूमिका निभाने वाले उप-कप्तान अक्षर पटेल से जब पूछा गया कि कौन सा कैच कठिन था तो उन्होंने कहा कि हैरी वाला कैच बेहद मुश्किल रहा। इस मैच से पहले भारतीय टीम ने 13 कैच छोड़े थे पर इंग्लैंड के खिलाफ उसके सभी खिलाड़ियों ने जबरदस्त क्षेत्ररक्षण किया। अक्षर ने हैरी के अलावा जैक्स का भी कैच लिया। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर ब्रूक का कैच लिया। इसके बाद अर्शदीप सिंह की गेंद पर बाईं ओर दौड़कर जैक्स का कैच लिया पर सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया। अक्षर ने कहा, जब मैंने ब्रूक का कैच लिया तो वह बहुत अच्छा कैच था। वह कठिन कैच था पर अगर कैच बहुत अहम था जिससे उनकी साझेदारी टूट गई।

मुझे खेल का सम्मान करते हुए इसकी मूल बातों पर वापस जाना होगा

पिछले दौर को याद कर भावुक हो गये सैमसन

एजेंसी ➤ मुंबई

टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में 89 रनों की आक्रामक पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन आज प्रशंसकों के दिलों में छाये हुए हैं। सैमसन ने इससे पहले सुपर-8 के मैच में भी काफी अच्छी पारी खेली थी पर इससे पहले का उनका समय खराब रहा था। इसी कारण वह विश्वकप के शुरुआती मैचों में भी शामिल नहीं किये गये थे, उस दौर को याद कर वह भावुक हो गये। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पांच मैचों में वह रन नहीं बना पाये थे। इस बल्लेबाज ने भी कहा है कि पिछले नौ महीने उनके लिए बेहद निराशाजनक रहे और उस दौर से बाहर आना उनके लिए काफी मुश्किल रहा है।

इसी कारण विश्वकप के शुरुआती मुकाबलों में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पाई थी और वह ज्यादातर समय बेंच पर बैठे रहे पर सुपर-8 के अंतिम मैच के बाद



सेमीफाइनल में अवसर मिलने पर उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को बेहतर हालात में पहुंचा दिया। सुपर-आठ में उन्होंनें वेस्टइंडीज के खिलाफ 97 रन बनाये थे।

मैच के बाद सैमसन ने कहा कि पिछला दौर उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में से एक रहा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले नौ महीने मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण थे। मैं हमेशा टीम के लिए योगदान देना चाहता था और विश्व कप जीतने में सहायता करना चाहता था।

सैमसन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान वह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आए थे पर उस दौरान वह रन नहीं बना पाए। इसी कारण से वह थोड़ा अधिक दबाव में थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उस समय मैं थोड़ा ज्यादा प्रयास कर रहा था। मैं बेहतर प्रदर्शन कर विश्व कप की अंतिम ग्यारह में जगह बनाना चाहता थ, मुझे लगा कि मुझे खेल का सम्मान करते हुए इसकी मूल बातों पर वापस जाना होगा।

व्यापार

सेंसेक्स 319, निफ्टी 126 अंक ऊपर आया

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद



मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच व्यापार करार से भी बाजार में उत्साह आया और वह उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक बढ़कर 81,857.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक ऊपर आकर 25,175.40 पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी मेटल और बैंकिंग शेयरों के कारण आई। इस कारण निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी इंडिया डिफेंस निफ्टी पीएसई और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी मीडिया , निफ्टी ऑटो , निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल् के शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 338 अंक बढ़कर 57,483.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 66.60 अंक उछलकर 16,419.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल, आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, इन्फोसिस, एचसीएल के शेयर लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, इटरनल, मारुति सुजुकी, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाइटन, एचयूएल और भारती एयरटेल के शेयर गिरे। बाजार में आज के सत्र में उतार-चढ़ाव हावी रहा पर यूरोपीय यूनिया से करार से बाजार को बल मिला पर बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के डर के कारण ऑटो और बेवरेज शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट साथ खुले। सेंसेक्स 81,436 अंक पर लगभग सपाट खुला, लेकिन कुछ ही देर में बिकवाली हावी हो गई।

अदाणी समूह और एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान निर्माण में करेंगे साझेदारी

भारत में साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना

नई दिल्ली । अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर ने मंगलवार को एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजार में छोटे और मझोले शहरों के हवाई संपर्क को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में आयोजित समारोह में सहयोग की घोषणा की गई। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल विमानों के संयोजन तक सीमित नहीं है। इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाने की योजना शामिल है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने बताया कि इस सहयोग के तहत भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया



जाएगा। दोनों कंपनियां भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक फाइनल असेंबली लाइन भी स्थापित करेंगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के एक अधिकारी ने कहा कि यह कदम देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक जेट विमानों का निर्माण करती है और भारत में इस साझेदारी के माध्यम से लागत प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार करने की योजना है। इस साझेदारी से अदाणी समूह भारतीय विमानन उद्योग में विमान निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। साथ ही यह एम्ब्रेयर को भारत में अपने क्षेत्रीय विमानों के लिए मजबूत बाजार और उत्पादन क्षमताएँ विकसित करने में मदद करेगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी रिकॉर्ड तेजी के बाद नरमी देखी गई

सोना 1.59 लाख और चांदी के भाव 3.59 लाख के पार

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुएं ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करते नजर आए, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते सत्र में नया उच्च स्तर बनाने के बाद आज इनमें हल्की नरमी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट मजबूत शुरुआत के साथ 2,637 रुपये की तेजी लेकर 1,58,674 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,56,037 रुपये था। इस समय सोने का वायदा भाव 2,447 रुपये की तेजी के साथ 1,58,484 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने 1,59,820 रुपये का उच्च स्तर छू लिया, जबकि दिन का निचला स्तर 1,57,500 रुपये रहा। चांदी के वायदा भाव में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई। एमसीएक्स पर



चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 5,125 रुपये की बढ़त के साथ 3,39,824 रुपये प्रति किलो पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,34,699 रुपये था। इस समय चांदी का वायदा भाव 21,287 रुपये की तेजी के साथ 3,55,986 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रहा था। सत्र के दौरान चांदी ने 3,59,800 रुपये प्रति किलो का सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो कॉमेक्स पर सोना और चांदी रिकॉर्ड तेजी के बाद आज कुछ नरम पड़े। सोना 5,005.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने के समय 15.10 डॉलर की गिरावट के साथ 5,067.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। हालांकि, इसने दिन में 5,107.90 डॉलर का उच्च स्तर छुआ। वहीं, चांदी 104.01 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 4.65 डॉलर की गिरावट के साथ 110.85 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी, जबकि इसका उच्चतम स्तर 117.70 डॉलर रहा।

बैंकों की हड़ताल: डिजिटल और एटीएम सेवाएं जारी रहेंगी

नई दिल्ली । बैंक यूनियनों की तरफ से ग्राहकों की परेशानी कम करने के लिए



मंगलवार को पूरे दिन हड़ताल का ऐलान किया गया है। इस वजह से बैंक शाखाओं में कामकाज थोड़ी देर के लिए प्रभावित हो सकता है।

कई कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल रहेंगे, लेकिन बैंक और सरकार ने तैयारियां की हैं। बैंकों ने भरोसा दिलाया है कि एटीएम में पर्याप्त नकदी उपलब्ध है और जरूरत पड़ने पर समय पर कैश भरा जाएगा। इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, कार्ड पेमेंट और अन्य डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से काम करती रहेंगी।



देशभर में बम धमकियों का सिलसिला

देश भर में शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों, सरकारी भवनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों को बम से निशाना बनाने की झूठी धमकियों का बढ़ता सिलसिला सुरक्षा की लिहाज से चुनौती बन गया है। ई-मेल या फिर सोशल मीडिया के जरिए इस तरह की धमकियां दी जाती हैं, जिससे न केवल लोगों में दहशत फैलती है, बल्कि सुरक्षा एजेंसियोंका कीमती समय और संसाधन भी बर्बाद होते हैं।बीते सोमवार को चंडीगढ़ के कई स्कूलों और सरकारी इमारतों को बम से उड़ाने की धमकियां ई-मेल पर दी गईं, हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। संभवत- धमकी देने वालों का मकसद महज दहशत फैलाना ही रहा होगा। मगर सवाल है कि आखिर इस तरह की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? क्या सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने में तकनीकी रूप से सक्षम नहीं हैं?ये प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं, क्योंकि इस तरह के ज्यादातर मामलों में पुलिस या अन्य जांच एजेंसियां अपराधियों तक पहुंच ही नहीं पाती हैं। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में बम की झूठी धमकियां देने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।मध्य-पूर्व की ज्वालामुखी- अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष के मई, 2024 में दिल्ली-एनसीआर में एक ही दिन में करीब ढाई सौ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए थे। हालांकि, इस तरह की तमाम धमकियां झूठी साबित हुईं, लेकिन इससे जहां दहशत का माहौल पैदा हो जाता है, वहीं जांच एजेंसियों के सामने कई चुनौतियां पैदा हो जाती हैं।ऐसे मामलों में अब तक की जांच में सामने आया है कि धमकी भरे ज्यादातर ई-मेल वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिए विदेशी आईपी पते से भेजे जाते हैं। मगर आज डिजिटल तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि इसके जरिए दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधी को खोजा या पकड़ा जा सकता है।

विचार

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री



3 महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगीहै। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं।

विचार

अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष के पीछे मानवता और तेल संकट

नेहा गुप्ता

लेखक



व्यापक पैमाने पर विनाश के बाद जब युद्ध थमेगा, तब किसी भी तरह के समाधान की कीमत क्या होगी?सिकंदर और चंगेज खां जैसे आक्रांता भी ईरान को हासिल नहीं कर सके, तोड़ नहीं सके। इतिहास में दर्ज है कि ईरान कई बार बर्बाद हुआ है, मिट्टी-मलबा होता रहा है, लेकिन उसने पुनर्निर्माण किया है और आज वह परमाणु शक्ति बनने के बेहद करीब है। गुरूर ट्रंप का टूटना चाहिए, जिसने 139.5 लाख करोड़ रुपए (1.5 ट्रिलियन डॉलर) का नया रक्षा बजट मांगा है और प्रस्ताव अमरीकी कांग्रेस (संसद) को भेजा है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा रक्षा बजट है। राष्ट्रपति ट्रंप करीब 42 फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहते हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, विदेशी सहायता आदि के बजट में करीब 73 अरब डॉलर की कटौती के पक्ष में हैं। नतीजतन अमरीका पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा।

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को अब एक महीना से ज्यादा हो चुका है, लेकिन अब भी तनाव और टकराव की आक्रामकता में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बीच-बीच में युद्ध विराम की बात उठती है और अगले ही दिन पहले से ज्यादा तीव्रता वाले हमलों के बीच गुम होकर रह जाती है।खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान के खर्ग द्वीप पर फिर हमला किया। इसके अलावा, ईरान के अल्बोर्ज प्रांत में हुए ताजा हवाई हमले में कम से कम अठारह लोगों की मौत हो गई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात आठ बजे तक होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह बहाल नहीं करता है, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की जाएगी।सवाल है कि क्या अमेरिका को इस बात की फिक्र है कि नागरिक ढांचों पर होने वाले हमलों को युद्ध अपराधों के दायरे में देखा जा सकता है। ईरान में हमले की वजह से एक स्कूल की कई बच्चियों की मौत को लेकर पहले ही अमेरिका-इजरायल के रवैये पर तीखे सवाल उठ चुके हैं। ऐसा लगता है कि इस युद्ध में हमले के ठिकाने चुनने के मसले पर मानवीयता के प्रश्न पीछे छूट गए हैं।जहां इजराइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर मिसाइल की मार करने से लेकर बमबारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है, वहीं ईरान ने भी इजराइल सहित मध्य-पूर्व के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला करने में कोई कमी नहीं की है। इससे इतर युद्ध की वजह से मध्य-पूर्व के समूचे प्रभावित इलाके में जिस पैमाने पर कच्चे तेल का उत्पादन और उसका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है, उसका असर समूची दुनिया पर किसी न किसी रूप में पड़ रहा है। बहुत सारे देशों में तेल, गैस और खाद की आपूर्ति बाधित हुई है।विडंबना यह है कि यह सब देखने-समझने के बावजूद युद्ध को खत्म करने या कम से कम कुछ दिनों के विराम की बात भी ठोस तरीके से सिरा नहीं पकड़ रही है। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति आए दिन ईरान में सब कुछ नष्ट कर देने की धमकी देते हैं, तो दूसरी ओर ईरान इसका जवाब देने की बात करता है।

तनाव के स्वरूप का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ईरान ने पैंतालीस दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि वह युद्ध की स्थायी और पूर्ण समाप्ति तथा फिर से ईरान पर आक्रमण नहीं किए जाने की गारंटी चाहता है। एक तरह से ईरान की इस मांग को समझा जा सकता है कि कूटनीतिक प्रयासों की सार्थकता तभी है, जब किसी भी वार्ता के माध्यम से स्थायी समाधान तक पहुंचा जा सके।अगर हल निकालने के लिए चल रही बातचीत में कोई तात्कालिक आश्वासन दिया जाता है और उसमें विश्वसनीयता की कमी होगी, तो ऐसे प्रयास युद्ध के मूल कारणों को दूर करने में नाकाम रहेंगे। बल्कि इसके विपरीत नतीजे भी निकल सकते हैं। जाहिर है, कुछ समय के युद्धविराम की गुंजाइश निकालने के बजाय संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने के उपायों पर पहुंचने के उद्देश्य से बिना देर किए शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।मगर अभी युद्ध को लेकर जिस तरह की जिद देखी जा रही है, उससे किस तरह का समाधान निकाला जा सकता है। व्यापक पैमाने पर विनाश के बाद जब युद्ध थमेगा, तब किसी भी तरह के समाधान की कीमत क्या होगी?सिकंदर और चंगेज खां जैसे आक्रांता भी ईरान को हासिल नहीं कर सके, तोड़ नहीं सके। इतिहास में दर्ज है कि ईरान कई बार बर्बाद हुआ है, मिट्टी-मलबा होता रहा है, लेकिन उसने पुनर्निर्माण किया है और आज वह परमाणु शक्ति बनने के बेहद करीब है। गुरूर ट्रंप का टूटना चाहिए, जिसने 139.5 लाख करोड़ रुपए (1.5 ट्रिलियन डॉलर) का नया रक्षा बजट मांगा है और प्रस्ताव अमरीकी कांग्रेस (संसद) को भेजा है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा रक्षा बजट है। राष्ट्रपति ट्रंप करीब 42 फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहते हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, विदेशी सहायता आदि के बजट में करीब 73 अरब डॉलर की कटौती के पक्ष में हैं। नतीजतन अमरीका पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। पहले ही अमरीका 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है।

(एक नजर)

बंगाल का 'बंधक' न्याय

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में ऐसा हिंसक उत्पात मचाया गया कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की नींद ही उड़ गई। वह आधी रात के बाद 2 बजे तक जागते रहे और प्रयास करते रहे कि 'बंधक' बनाए गए 7 न्यायिक अधिकारी सुरक्षित मुक्त हो जाएं। उन अधिकारियों में 3 महिलाएं भी थीं। प्रधान न्यायाधीश ने कोलकाता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को फोन किए। मुख्य न्यायाधीश ने राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक को फोन कर 'बंधक' अधिकारियों को मुक्त कराने का आग्रह किया। उन्हें 'आश्वस्त' किया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। देश के प्रधान न्यायाधीश का कहना है कि रात के 11 बजे तक मालदा के डीएम और एसएसपी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे थे। अधिकारियों को अपराह्न 3.30 बजे के करीब बंधक बनाया गया था। उन 8-9 घंटों के अंतराल में कोई भी अनहोनी हो सकती थी! हजारों की भीड़ उस दफ्तर के बाहर बेहद उत्तेजित और आक्रोशित थी। उनके हाथों में लाठियां, डंडे, पत्थर थे। भीड़ ने कारें तोड़ीं, उनमें आग लगाई और पथराव किए। कमोबेश यह लोकतंत्र की अभिव्यक्ति नहीं थी।

विचार

ट्रंप की 'तबाह' धमकी

अरुण जैन

लेखक



राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार रात्रि 10.30 बजे के करीब मीडिया को संबोधित कर एक बार फिर धमकी दी कि अमरीका एक ही रात में ईरान को खत्म कर सकता है। तबाह और बर्बाद कर सकता है। यह रात कल (मंगलवार) भी हो सकती है। भारतीय समयानुसार बुधवार, सुबह 5.30 बजे राष्ट्रपति ट्रंप की 'डेडलाइन' है। उसके बाद कयामत के लम्हे कभी भी सामने आ सकते हैं। ईरान ने इस धमकी का पलटजवाब दिया है कि न तो होर्मुज स्ट्रेट खुलेगा और न ही जंग रुकेगी। ईरान के कथित सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का बयान भी सार्वजनिक किया गया है कि हम कुर्बानी देने से नहीं घबराते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अमरीकी सेना ईरान के बिजली संयंत्रों, पुलों, जल-संयंत्रों पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले करेगी कि ईरान अंधकार में डूब जाएगा। वह 'पाषाण-युग' वाला दृश्य ही होगा। क्या फिर भी ईरान 'समझौता' नहीं करना चाहता, सरेंडर नहीं करना चाहता? ईरान ने ऐसे समझौतापरस्त प्रस्तावों को भी खारिज कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक एयरमैन सैनिक को बचाने के सैन्य अभियान की खूब तारीफ की। राष्ट्रपति ने खुलासा किया कि ऑपरेशन में 200 कमांडो, सैनिक और 21 विमानों ने शिरकत की। यह इतिहास का सबसे कठिन और सफल बचाव था। अमरीकी सैनिक दुश्मन देश और उसकी जमीन से अपने एयरमैन सैनिक को बचाकर ले आए, ऐसा ऑपरेशन कभी नहीं हुआ। अनुमान है कि एक वायु-सैनिक को बचाने पर अमरीका ने 30 करोड़ डॉलर खर्च कर दिए। युद्ध में अन्य देशों के सैनिक, मासूम और गैर-सैन्य नागरिक भी मारे गए हैं। क्या उनकी जिंदगियां, अमरीकी सैनिक की तरह, कीमती और अनिवार्य नहीं थीं? अमरीकी सेना ने ईरान पर 13,000 से अधिक हमले किए हैं। लगभग इतने ही हमले इजरायली सेना ने किए हैं। करीब 2100 ईरानी नागरिक, 250 बच्चों समेत, मारे गए हैं। कुछ विशेषज्ञ तो मरने वाले ईरानियों की संख्या 5000 से अधिक बताते हैं और 10 लाख से ज्यादा विस्थापित हुए हैं। अमरीकी राष्ट्रपति अब भी ईरान को तबाह, पाषाणकालीन, करना चाहते हैं।

ईरान के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर राष्ट्रपति पद की मर्यादा भी नीलाम कर रहे हैं, लिहाजा अमरीकी संसद में '25वां संशोधन' लागू करने की पुरजोर मांग उभरी है। इसमें ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी और विपक्ष की डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर, सांसद शामिल हैं। अभी तक इस संशोधन के तहत किसी भी राष्ट्रपति को हटाया नहीं जा सका है। दरअसल यह युद्ध ही 'अवैध' है। अमरीका के संविधान और कानून के मुताबिक यह युद्ध अवैध है, क्योंकि अमरीकी कांग्रेस (संसद) की अनुमति नहीं ली गई है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2 (4) के मुताबिक, किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया जा सकता। ये भी नियम हैं कि नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा सकता, अस्पतालों और चिकित्साकर्मियों पर हमले नहीं किए जा सकते, लेकिन ईरान युद्ध में तमाम कायदे-कानूनों का सरेआम, घोर उल्लंघन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुच्छेद 52 में यह प्रावधान है कि कोई भी देश आत्मरक्षा के लिए युद्ध कर सकता है, लेकिन बाद में सुरक्षा परिषद की स्वीकृति प्राप्त करनी जरूरी है। इस युद्ध ने ही जापान, जर्मनी सरीखे देशों को परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू करने पर बाध्य किया है। जापान के पास इतना सवंर्धित यूरेनियम और अन्य सामग्री है कि वह 5000 से अधिक परमाणु बम बना सकता है। अर्थात रूस और अमरीका की होड़ में शामिल हो सकता है। फ्रांस ने तय किया है कि वह 2030 तक मिसाइलों और ड्रोन की क्षमता 400 फीसदी बढ़ाएगा। आसन्न युद्ध की तैयारियांज! बहरहाल युद्ध के 39 दिन बीत चुके हैं। दुनिया में हडक़ंप मचा है। होर्मुज में करीब 3000 जहाज फंसे हैं, जाहिर है कि उनमें कच्चा तेल, गैस, अन्य आवश्यक वस्तुएं होंगी, जो देशों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। विश्व में मंदी के आसार बताए जा रहे हैं। यदि तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गईं, तो मुद्रास्फीति 7-8 फीसदी तक जा सकती है और देशों की जीडीपी की विकास दर 2 फीसदी कम हो सकती है। सवाल यह है कि जब युद्ध अवैध है और ट्रंप इसके 'खलनायक' हैं, तो उन्हें दंडित कौन करेगा?



सस्ते पैकेज में आपका मन मोह लेगा यह

Oakland City

ऑकलैंड को सिटी ऑफ सेल्स कहा जाता है। इसलिए शॉपिंग के लिहाज से भी यह ट्रिप काफी यादगार हो सकता है। यहां का मुख्य आकर्षण वॉटर एडवेंचर और स्कापई टावर हैं। यहां के हार्बर भी काफी मशहूर हैं। वेतेमाता हार्बर पर साफ नीला पानी और सफेद याच व मोटरबोट आपके मूड को खासा एडवेंचर्स बना देंगे। यहां इनकी राइड का मजा जरूर लें और बंजी जपिंग भी कर सकते हैं। वाटर स?पोर्ट्स के मामले में इसे बहुत पुराना डेस्टिनेशन का दर्जा प्राप्तव है। यहां डॉल्फिन और व्हेल को नजदीक से देख सकते हैं।

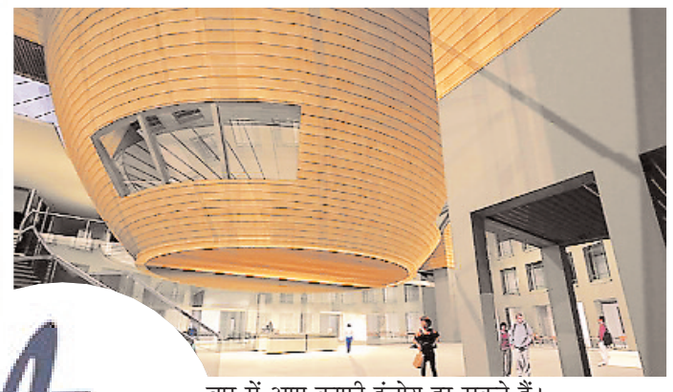

आकलैंड का सिर्फ नाम ही आकर्षक नहीं है बल्कि वाटर स्पोर्ट्स के लिए इसे बहुत पुराना डेस्टिनेशन का दर्जा प्राप्त है। यह एडवेंचर के हिसाब से भी काफी आकर्षक है। यदि आप प्राकृतिक खूबसूरती के साथ साथ स्काई हाउज देखना चाहते हैं तो न्यूरजीलैंड का यह खूबसूरत शहर आपके मन को मोह लेगा।

ऑकलैंड को सिटी ऑफ सेल्स कहा जाता है। इसलिए शॉपिंग के लिहाज से भी यह ट्रिप काफी यादगार हो सकता है। यहां का मुख्य आकर्षण वॉटर एडवेंचर और स्कापई टावर हैं। यहां के हार्बर भी काफी मशहूर हैं। वेतेमाता हार्बर पर साफ नीला पानी और सफेद याच व मोटरबोट आपके मूड को खासा एडवेंचर्स बना देंगे। यहां इनकी राइड का मजा जरूर लें और

मुख्या आकर्षण

स्काई सिटीयहां के स्काईसिटी को ऑकलैंड का दिल कहा जाता है। यह न्यूजीलैंड का बेहतरीन एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन है। यहां के स्काई टॉवर से आप शहर का बेहतरीन नजारा देख सकते हैं। यहां का नाइट लाइफ भी दुनिया में खासा मशहूर है। यहां के कसीनो और डांस



करने का एडवेंचर महसूस कर सकते हैं। पानी के अंदर के बहुत से ऐसे जीव को करीब से देखने और छूने का मौका मिलेगा। जो आपके कल्पलना से परे है।

कब जाएं

न्यूजीलैंड घूमने के लिए अप्रैल से सितंबर का महीना अच्छा माना जाता है। इस दौरान यहां का तापमान 15 से 30 डिग्री तक रहता है , जबकि जून से अगस्त के बीच

ऑकलैंड म्यूजियम

न्यूंजीलैंड एक ऐसा देश है जहां आपको कई देशों की मिली जुली संस्कृति देखने को मिल जाएगा। इस देश के कल्चर को करीब से समझना है तो इस म्यूजियम में जरूर जाएं।

फेरीलैंड

बच्चों के लिए यह फेरीलैंड सचमुच का फेरीलैंड है। 10 एकड़ जमीन में फैला यह पार्क बच्चों के इमैजिनेशन को नया कॉसेप्ट देता है। यहां तरह तरह के राइड्स के साथ अपने मनपसंद जानवरों के साथ खेलने की भी सुविधा है।

जू

न्यूजीलैंड का वाइल्ड लाइफ के लिए सभी डेस्टीरनेशन में खास स्थान रखता है। यहां घूमने के लिए एक दिन काफी नहीं क्यों कि यहां सुबह के समय पहुंचेंगे , तो शाम कब हो गई पता भी नहीं चलेगा।

अन्य आकर्षण

यूं तो पूरा ऑकलैंड ही प्राकृतिक खूबसूरती का बेहतर नमूना है।



लाइफ को रिचार्ज करना चाहते हैं तो जाएं

लेंस डाउन

रूटीन लाइफ से अगर बोर हो गए हो और कुछ दिनों के लिए छुटकारा पाना चाहते है, तो लेंस डाउन की वादियां आपका इंतजार कर रही है। समुद्रतल से 1700 मीटर की ऊंचाई पर बसा लेंस डाउन 1887 में अंग्रेजों की छावनी हुआ करता था। फिलहाल यहां इंडियन आर्मी के गढ़वाल राइफल्स का हेड क्वॉर्टर है।

ऐतिहासिक रूप से महत?वपूर्ण होने के साथ साथ यहां दूर तक फैले पहाड़, ताजी हवा, डूबते सूरज के नजारे, रात के समय खुले आकाश पर चमचमाते तारे और सुबह पत्तों पर गिरी ओस की बूंदे, सब मिलाकर आपकी छुटिटयों को यादगार बना देंगे। यहां की सड़कें साफ-सुथरी और घुमावदार हैं, तो घर बेहद साधारण, रंगबिरंगे और लकड़ी के है। यह साइट इको-टूरिज्म के लिए भी बेस्ट है और आप यहां ट्रैकिंग, बर्ड वॉचिंग, बोटिंग वगैरह का भरपूर मजा ले सकते हैं।

यहां के प्रमुख आकर्षण

रोमांस और प्रकृति का अद्भुत संगम है

जलमहल

उंचे घने पेड़ों के बीच कोई जल महल हो तो सोचिए कैसा नजारा होगा। हम बात विदेश की नहीं बल्कि जयपुर की कर रहे हैं। जयपुर का जल महल इन दिनों सैलानियों के बीच अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के कारण आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह महल सिर्फ पानी में स्थित होने के कारण मशहूर नहीं है बल्कि यहां के सीन आपके मूड को रोमांटिक बना देता है। कभी यहां के राजा भी इस

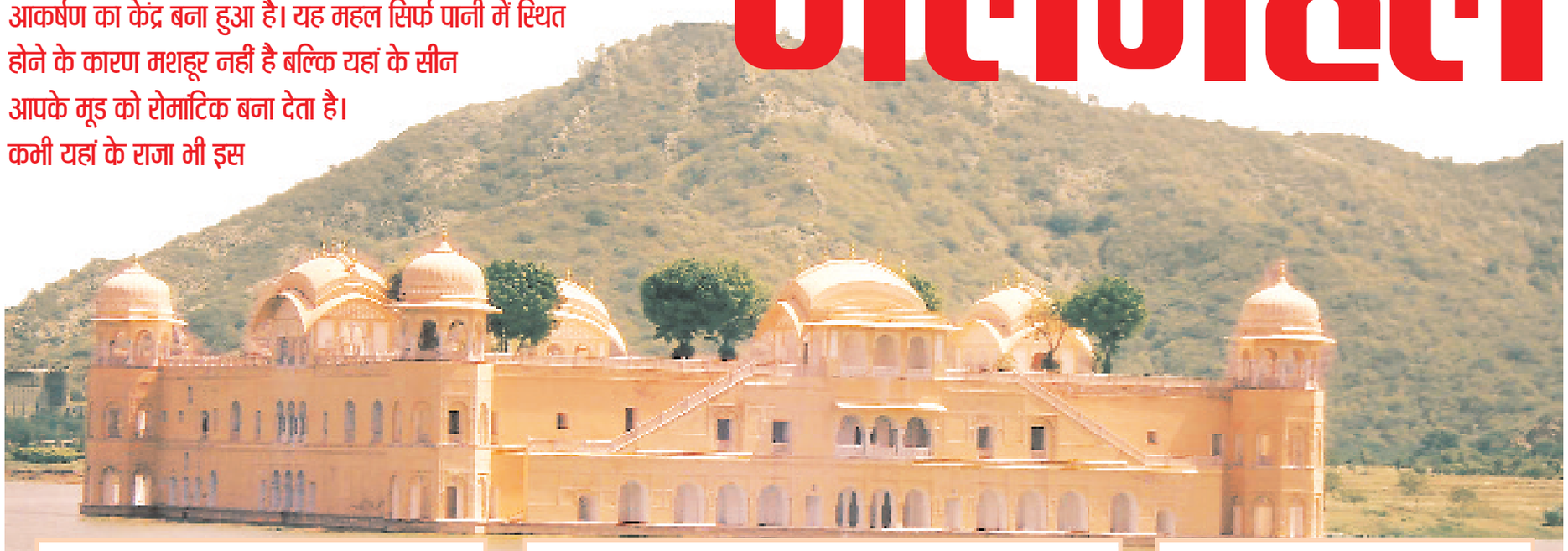

महल की खासियत

यूं तो जल महल का निर्माण 1799 में हुआ था। उन दिनों यह महल रोमांटिक महल के नाम से जाना जाता था। राजा अपने रानी के साथ खास वक?त बिताने के लिए इस महल का इस?तेमाल करते थे। यह महल मानसागर लेक के बीचोबीच स्थित है। चांदनी रात में आप इस महल का खूबसूरत नजारा लेक के पानी में देख सकते हैं। यूं तो राजा इसका इस?तेमाल रॉयल पार्टी देने के लिए भी करते थे लेकिन यह कभी जयपुर स?टेट के राजा का घर भी हुआ करता था। महल की खासियत यह है कि यहां गर्मी नहीं लगती। क?योंकि इसके कई फ्लोर पानी के अंदर बनाए गए हैं। यहां से आप पहाड़ और लेक का खूबसूरत नजारा

सबसे उंचे पेड़ों वाला नर्सरी

जल महल के इस नर्सरी का विकास महल की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए किया गया है। यह नर्सरी राजस?थान का सबसे उंचे पेड़ों वाला नर्सरी है। यहां पेड़ों की संख?या 1 लाख से ज?यादा है। जल महल रिसोर्ट के सूचना अधिकारी का कहना है कि हर साल यहां डेट पाम, चाइना पाम और बुगनबेलिया जैसे शो प?लांट को ट्रांसप्लांट किया जाता है। पिछले दिनों हाईवे के किनारे लगे पेड़ काटे जा रहे थे। उन पेड़ों को इस नर्सरी में ट्रांसप्लांट कर नई जिंदगी दी गई। इस नर्सरी की खासियत यहां ट्रांसप्लांट किए गए 200 साल पुराना बरगद और नीम का पेड़ है। कैसे जाएं विकएंड में भी आप प्राइवेट टैक?सी से जा सकते हैं या चाहे तो रेलमार्ग द्वारा भी वहां पहुंचा जा सकता है। या टूर एंड ट्रैवल की मदद भी ले सकते हैं।

लाख से ज्यादा पेड़

जल महल के नर्सरी में 1 लाख से ज?यादा वृक्ष लगे हुए हैं। ये वृक्ष यहां के वादियों को प्रदूषण मुक?त बनाते हैं। जल महल न सिर्फ आपकी थकान मिटाता है बल्कि यह आपके उम्र में इजाफा भी करता है। यूं तो जल महल का नर्सरी काफी पुराना है लेकिन दिन रात 40 गार्डेनर पेड़ पौधों की देखभाल में लगे रहते हैं। यहां आप अरावली प?लांट, ऑरनामेंटल प?लांट, शर्ब, हेज और क्रिपर की हजारो वेराइटी देख सकते हैं। यहां की नर्सरी की खासियत यह है कि यहां बहुत से पेड़ जो 150 साल पुराने हैं उन?हें



सन सेट

लेंस डाउन जाने पर आप सूरत डूबने के नजारे जरूर देखें। वॉक करते हुए दूसरी साइड पर सूरज डूबने का सीन बहुत ही खूबसूरत है। ये नजारे आप लंबे अर्से तक भुला नहीं पाएंगे।

पौढ़ी गढ़वाल

समुद्र से 3,000 मीटर और लेंस डाउन से 78 किलोमीटर दूर स्थित पौढ़ी गढ़वाल भी पर्यटकों में काफी पॉपुलर है।

हिमालय की चोटी , बर्फ से ढकी पहाड़ियां , गहरी घाटियां , घने जंगल ओर कलकलाती नदियां सभी का मन मोह लेती है। बस से यहां सड़कों के



टिप एंड टॉप

यह पर्यटकों के बीच एक पॉपुलर पॉइंट है। यहां से आप ट्रेकिंग शुरू करेंगे , तो घने जंगल को पार करते हुए जिस पॉइंट पर पहुंचेंगे , वह आपको हिमालय की वादियों के

अन्य आकर्षण

वादियों और पेड़ों की छांव में बना तर्केशवर महादेव मंदिर भगवान शिव का प्राचीन मंदिर है। यह लेंस डाउन से 38 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 1800 मीटर है। कोटद्वार से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कोह नदी के किनारे पर दुर्गा देवी का

न्यूज इन शॉर्ट

छात्रवृत्ति आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज मिलने से गंगोत्री और उसके परिवार को मिली बड़ी राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, सुगम और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शासन की सेवा सेतु पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। इसके जरिए नागरिकों को आवश्यक शासकीय दस्तावेज प्राप्त करने के लिए अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सेवा सेतु के माध्यम से छात्रवृत्ति आवेदन के लिए एक छात्रा को मात्र एक दिन में आय प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाना त्वरित जनसेवा का उदाहरण बना है।गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बस्ती निवासी श्री संग्राम सिंह की पुत्री गंगोत्री को अपनी पढ़ाई से संबंधित छात्रवृत्ति का आवेदन भरने के लिए आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। छात्रवृत्ति आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यह दस्तावेज जरूरी होने के कारण परिवार को इसे शीघ्र प्राप्त करने की चिंता थी। ऐसे समय में राज्य शासन की सेवा सेतु पहल उनके लिए मददगार साबित हुई।गंगोत्री के पिता श्री संग्राम सिंह ने आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ग्राम पंचायत बस्ती, ब्लॉक पेंड्रा रोड स्थित स्थानीय सेवा सेतु केंद्र धनश्याम कंप्यूटर्स एंड चॉइस सेंटर में संपर्क किया। केंद्र के संचालक श्री धनश्याम सोनी ने उनकी आवश्यकता को समझते हुए तत्परता दिखाई और आय प्रमाण पत्र के लिए आवश्यक ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी की। इसके परिणामस्वरूप गंगोत्री को महज एक दिन में आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। समय पर आवश्यक दस्तावेज मिलने से गंगोत्री के छात्रवृत्ति आवेदन की राह आसान हो गई। परिवार को भी बड़ी राहत मिली। आय प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर गंगोत्री के पिता श्री संग्राम सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सेवा सेतु केंद्र द्वारा प्रदान की गई त्वरित सुविधा की सराहना की। उन्होंने कहा कि आवश्यक दस्तावेज इतनी जल्दी उपलब्ध होने से उनकी बेटी की पढ़ाई से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरा करने में मदद मिली है।सेवा सेतु पहल के माध्यम से नागरिकों को उनके निवास क्षेत्र के आसपास ही विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों, किसानों, महिलाओं और आम नागरिकों को आवश्यक प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा हो रही है। स्थानीय स्तर पर सेवाओं की उपलब्धता से लोगों के समय और संसाधनों की बचत के साथ शासकीय कार्यों में सुगमता भी बढ़ रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में गंगोत्री को मात्र एक दिन में आय प्रमाण पत्र मिलने की यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि शासन की जनहितैषी पहल किस प्रकार आम नागरिकों की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को समय पर पूरा करने में सहायक बन रही है। सेवा सेतु जैसी व्यवस्थाएं सुशासन की अवधारणा को धरातल पर साकार करते हुए शासन की सेवाओं को आमजन के और करीब ला रही हैं।

धान खरीदी की कलेक्टर ने की समीक्षा,राइस मिलर्स और बिचौलियों पर कड़ी निगरानी के निर्देश

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सोमवार को खाद्य, सहकारिता, कृषि एवं मंडी बोर्ड के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में समर्थन मूल्य पर जारी धान खरीदी की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राइस मिलर्स, कोचियों एवं बिचौलियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा पुराने धान को अवैध रूप से खपाने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिले में अब तक 2,775 किसानों से कुल 8,479 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर ने बड़े किसानों के भी अधिक से अधिक टोकन जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने धान को उपार्जन केंद्रों में खपाने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए राइस मिलर्स और कोचियों की भी जांच कराने को कहा। साथ ही राइस मिलों में बिजली मीटर की खपत एवं उपलब्ध धान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए।

घरेलू हिंसा को किसी भी तरह नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए :राज्यपाल डेका

राज्यपाल मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित कार्यशाला मे शामिल हुए

संवाददाता ➤ रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा गंभीर सामाजिक समस्याएं हैं। इन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कानूनों का सख्ती से पालन, संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता और समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। घरेलू हिंसा को किसी भी स्थिति में सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसे गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों का निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समुदाय के साथ-साथ स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

राज्यपाल श्री रमेन डेका आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषयक प्रशिक्षण सह कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि मानव



तस्करी आज खतरनाक रूप ले चुकी है। अब इसका संबंध केवल लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव अंगों की मांग के कारण भी इसकी घटनाएं सामने आ रही हैं। यह एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है।

'घरेलू हिंसा रोकने समाज को जागरूक करना आवश्यक'

श्री डेका ने कहा कि पहले संयुक्त परिवारों की व्यवस्था थी, लेकिन अब एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है। घरेलू हिंसा पहले भी होती थी और आज भी हो रही है।

'मीडिया समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम'

राज्यपाल ने कहा कि घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों में निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए। कानून के दायरे में रहते हुए प्रत्येक प्रकरण के तथ्यों और परिस्थितियों को समझकर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। इस दिशा में पुलिस, न्यायपालिका, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि मीडिया को समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।राज्यपाल ने कार्यशाला में होने वाले विचार-विमर्श और उससे निकलने वाले निष्कर्षों को धरातल पर लागू करने पर जोर दिया।

एआई शिक्षकों का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी क्षमता कई गुना बढ़ाने वाला सशक्त माध्यम



एआई शिक्षकों का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी क्षमता कई गुना बढ़ाने वाला सशक्त माध्यम -उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा

छत्तीसगढ़ की उच्च शिक्षा में तकनीकी नवाचार का नया अध्याय, उच्च शिक्षा विभाग और गूगल फॉर एजूकेशन के बीच एमओयू

रायपुर के 22 महाविद्यालयों के 500 से अधिक शिक्षकों सहित उच्च शिक्षा संचालनालय के 50 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को एआई प्रशिक्षण

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा को आधुनिक तकनीक, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग और गूगल फॉर एजूकेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से प्रदेश के महाविद्यालयों में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में नया अध्याय शुरू हुआ है। इस पहल के अंतर्गत प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एआई तकनीक के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा व्यवस्था बदलाव लाने की रखता है क्षमता'

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज 23 नवंबर को दीन दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर एवं एआई प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग ज्ञान, नवाचार और तकनीक का है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार उच्च शिक्षा में आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है।'

एआई तकनीक शिक्षकों भूमिका को प्रभावी बनाने में सहायक'

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि एआई शिक्षकों का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी कार्यक्षमता, रचनात्मकता और शिक्षण प्रभावशीलता को कई गुना बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण साधन है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों को केवल जानकारी ही नहीं देता, बल्कि उनमें सोचने, समझने, प्रश्न करने और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी विकसित करता है। एआई तकनीक शिक्षकों की इस भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध हो सकती है।

'बहुभाषी अध्ययन सामग्री, शोध और मूल्यांकन में मिलेगी नई सुविधा'

उच्च शिक्षा मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि एआई तकनीक के माध्यम से प्राध्यापक बहुभाषी अध्ययन सामग्री तैयार कर सकेंगे। जटिल विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाने, बेहतर पाठ योजनाएं बनाने, विद्यार्थियों के मूल्यांकन एवं फीडबैक को अधिक प्रभावी बनाने तथा शोध कार्यों में नई संभावनाओं का उपयोग करने में सहायता मिलेगी। छत्तीसगढ़ जैसे विविध भाषाई, सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में यह तकनीक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

'प्रशासनिक कार्यों में बढ़ेगी दक्षता, समय की होगी बचत'

इस पहल का लाभ केवल शिक्षकों और विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महाविद्यालयों एवं विभागीय कार्यालयों में कार्यरत गैर-शिक्षकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को भी मिलेगा। एआई की सहायता से पत्राचार, दस्तावेज तैयार करने, सूचनाओं के विश्लेषण और विभिन्न कार्यालयीन कार्यों को अधिक सरल, व्यवस्थित एवं समयबद्ध बनाया जा सकेगा। इससे प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता में सुधार के साथ कार्यक्षमता बढ़ेगी और समय की बचत होगी।

'22 महाविद्यालयों के 500 से अधिक शिक्षकों एवं अधिकारियों को प्रशिक्षण'

कार्यक्रम की महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि प्रारंभिक कार्यशाला में रायपुर जिले के 22 महाविद्यालयों को एआई तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

राज्यपाल ने सरस्वती महाविद्यालय को दिए 10 कंप्यूटर और प्रिंटर

संवाददाता ➤ रायपुर



राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज सोमवार को लोकभवन में सरस्वती महाविद्यालय, बिलासपुर को अपने स्वेच्छानुदान मद से 10 कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदान किए। इस पहल का उद्देश्य महाविद्यालय में शैक्षणिक और तकनीकी सुविधाओं को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना है।

श्री डेका ने कहा कि महाविद्यालय की डिजिटल व तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करना और विद्यार्थियों के अध्ययन को अधिक सुगम व आधुनिक बनाने के लिए कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदाए किए जा रहे हैं। यह 10 कंप्यूटर और प्रिंटर राज्यपाल ने अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदान किए हैं।इस अवसर पर सरस्वती महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार तिवारी, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सदस्य सर्वश्री बृजेंद्र शुक्ला, विवेक सक्सेना, लक्ष्मण राव मागर और बद्रीनाथ केसरवानी सहित महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता में जीपीएम के दिव्यांग खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

6 पदक जीतकर रचा सफलता का नया अध्याय

संवाददाता ➤ रायपुर



मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा, कठिन परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता अर्जित की है। जिले के तीन प्रतिभावान खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल छह पदक जीतकर न केवल जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इन खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत आत्मविश्वास, निरंतर अभ्यास और अटूट संकल्प के बल पर हर चुनौती को पार कर सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है।

भोपाल में 12 से 15 नवंबर 2026 तक आयोजित 26वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता में देशभर के दिव्यांग तैराकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के तीन खिलाड़ियों श्री रोहित कुमार, श्री जन्तराम पनिका और सुश्री मोहनी मरावी ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग लिया। तीनों खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल छह पदक अपने नाम किए और राष्ट्रीय खेल मंच पर जिले की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।प्रतियोगिता में जिले के प्रतिभावान तैराक श्री रोहित कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत सहित कुल तीन पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 50 मीटर बैक स्ट्रोक और 100 मीटर बैक स्ट्रोक स्पर्धाओं में शानदार समय दर्ज करते हुए रिकॉर्ड भी बनाया। उ नई पहचान दिलाई है।

देश की विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत - श्री अरुण साव

%वंदे मातरम शिविर% में छत्तीसगढ़ भ्रमण पर आए 6 राज्यों के युवाओं से मिले उप मुख्यमंत्री, दिया सफलता का मंत्र

संवाददाता ➤ रायपुर



उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव से छत्तीसगढ़ के भ्रमण पर आए 6 राज्यों के युवाओं ने मुलाकात की। भारत सरकार के 'वंदे मातरम शिविर' के तहत त्रिपुरा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से कुल 150 युवा छत्तीसगढ़ आए हुए हैं। सप्ताह भर के भ्रमण के दौरान ये युवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला, खानपान, इतिहास, पुरातात्विक वैभव और विकास से रू-ब-रू हुए। उन्होंने एक-दूसरे के राज्यों की संस्कृति खानपान और रहन-सहन के बारे में भी जाना। प्रवास के अंतिम दिन उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में अलग-अलग राज्यों से आए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी के कंधों पर होगी। देश के युवाओं में वह योग्यता, क्षमता और आत्मविश्वास है, जिससे भारत को दुनिया में अग्रणी बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की संस्कृति, सभ्यता और गौरव के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सात दिनों के इस 'वंदे मातरम शिविर' से आप केवल अनुभव लेकर नहीं, बल्कि जीवनभर काम आने वाली अनमोल पूंजी लेकर लौट रहे हैं। यहां मिले अनुभव कठिन परिस्थितियों का सामना करने की ताकत और आत्मविश्वास देंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि सात दिनों में आपने 200 दोस्त ही नहीं बनाए, बल्कि देशभर में 200 नए परिवारों से रिश्ते जोड़े हैं। यही आत्मीयता, स्नेह और आपसी जुड़ाव भारत की वास्तविक ताकत है।

श्री साव ने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में एकता है। देश में हर 20-25 किलोमीटर पर भाषा, खानपान और वेशभूषा बदल जाती है, लेकिन इन विविधताओं के बावजूद हम सब एक हैं। भाषा और भूगोल कभी हमारी एकता की सीमा नहीं रहे। उन्होंने कहा कि %एक भारत, श्रेष्ठ भारत% की भावना को साकार करना ही 'वंदे मातरम शिविर' का मूल उद्देश्य है। युवाओं के बीच आपसी जुड़ाव और देश के प्रति समर्पण का भाव जितना मजबूत होगा, भारत उतना ही सशक्त बनेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने की सबसे बड़ी शक्ति आज का युवा है। यदि युवा एकजुट होकर देश का गौरव बढ़ाने के लिए कार्य करें, तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। उन्होंने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं को आधुनिक शिक्षा के साथ अपने देश की संस्कृति, सभ्यता, संस्कार, अध्यात्म और परंपराओं का ज्ञान होना भी आवश्यक है। नई शिक्षा नीति में इन विषयों के समावेश से युवाओं में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान बढ़ेगा। देश की समृद्ध विरासत और आधुनिक पीढ़ी की प्रतिभा मिलकर भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

किसान तुहर टोकन ऐप बना किसानों के लिए वरदान, घर बैठे टोकन लेकर दिनेश कुमार राय ने बेचा 80 क्विंटल धान

न लंबी कतारों की परेशानी, न टोकन के लिए भागदौड़, डिजिटल सुविधा से आसान हुई धान बिक्री की राह

3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी से किसानों को मिल रहा आर्थिक संबल, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के साथ ही धान खरीदी की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। राज्य शासन की किसान हितैषी नीतियों और डिजिटल सुविधाओं का लाभ अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। इसी का उदाहरण गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही क्षेत्र के किसान श्री दिनेश कुमार राय हैं, जिन्होंने किसान तुहर टोकन ऐप की सहायता से घर बैठे टोकन प्राप्त कर मरवाही धान उपार्जन केंद्र में अपना 80 क्विंटल धान आसानी से विक्रय किया।

किसान श्री दिनेश कुमार राय बताते हैं कि पहले धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त करना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती होती थी। टोकन कटवाने के लिए उपार्जन केंद्रों के चक्कर लगाने और कतारों में इंतजार करने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब किसान तुहर टोकन ऐप के माध्यम से यह प्रक्रिया काफी आसान हो गई है। उन्होंने अपने मोबाइल फोन से घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर लिया।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल, RNI : CHHHIN/2020/79583, Email : eksatbulletin@gmail.com